RNI No. : UPHIN/2017/74695

डाक पंजीकरण सं. :
एस.एस.पी./एल.डब्लू./एन.पी. - 558/2024-2026

स्टूडियो न्यूज

वर्ष : 7 अंक : 12 | लखनऊ, बृहस्पतिवार, 6 जून 2024 से 5 जुलाई 2024 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 10 रूपये

Authorised Importers and Distributors: Shetala Agencies Pvt Ltd

Chennai - 044-42125158, Bangalore – 9900015547, Kerala – 9176669842, Mumbai – 9619825776, Delhi - 8105409366, Kolkatta - 9830375753, Hyderabad – 9700885776

Authorised Service Centres: SOUTH: Chennai, Shetala Cameras 9444401805, Camera Service Centre : 8056151501

Bangalore: Shetala Cameras 9900015547, Sri Benaka Enterprises: 9620086170, Kerala Camera Scan: 9447212721, Hyderabad: Shetala Camera: 9700888576, Sri Venkateswara Electronics 9912709000,

WEST: Prabhakar Service Centre, Mumbai 9167110317, J.K.Electronics: 9819046288, **EAST:** Capital Enterprise (P) Ltd, Kolkatta 033-22282020. **NORTH:** Omax Camera Care, Delhi. 9810965674

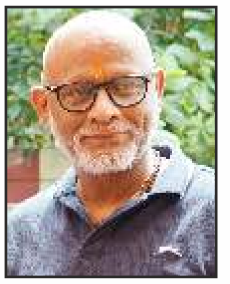

सम्पादक की कलम से ...

मेरे फोटोग्राफर साथियो,

स्टूडियो न्यूज़ के 7 साल : एक गौरवान्वित यात्रा

स्टूडियो न्यूज़ के जून 24 का अंक हमारे लिए बहुत ही खास है। इस अंक के साथ ही हमने स्टूडियो न्यूज़ के 7 वर्ष पूरे कर लिए है और आज, हम गर्व के साथ यह कह सकते हैं कि ये 7 साल आप सभी पाठकों के निरंतर समर्थन और स्नेह के कारण ही संभव हो पाए हैं। जब हमने स्टूडियो न्यूज़ की शुरुआत की थी, तो हमारा एक ही सपना था – फोटोग्राफी एवं फोटोग्राफी से जुड़ी लेटेस्ट तकनीक को मेट्रो शहरों के फोटोग्राफर साथियो से लेकर तहसील, कस्बो तक के फोटोग्राफर साथियो तक पहुंचाना। हम चाहते थे कि आप न सिर्फ बेहतरीन तस्वीरें देखें, बल्कि फोटोग्राफी की कला को भी समझें।

इन 7 सालों में हमने बहुत कुछ सीखा है। आपकी पसंद-नापसंद को समझने से लेकर फोटोग्राफी के क्षेत्र में हो रहे बदलावों को आपके सामने लाने तक, हमने हमेशा यही कोशिश की है कि आपको वह सामग्री मिले जो आपको प्रेरित करे और आपकी कला को निखारे। हमारी यात्रा में आपका साथ बेहद खास रहा है। आपके सुझावों, प्रशंसाओं और रचनात्मक आलोचनाओं ने हमें लगातार बेहतर करने की प्रेरणा दी है। आने वाले समय में भी हम फोटोग्राफी के जुनून को जगाने और इस कला को हर फोटोग्राफर्स तक पहुंचाने का प्रयास जारी रखेंगे। हम नई तकनीकों, प्रतिभाशाली फोटोग्राफरों और फोटोग्राफी के विभिन्न पहलुओं पर रोचक लेख प्रकाशित करते रहेंगे। साथ ही, हम आपसे भी सुनना चाहते हैं। आप हमें बताएं कि आप पत्रिका में क्या देखना पसंद करते हैं और भविष्य में आप किस तरह की सामग्री देखना चाहते हैं। फोटोग्राफी से जुडी कम्पनियों का भी आभार जताना चाहते है जिनके सहयोग से हम फोटोग्राफर साथियो के लिए कुछ करने का प्रयास कर पा रहे हैं। आपका निरंतर समर्थन ही हमारा बल है। तो आइए, फोटोग्राफी की इस खूबसूरत दुनिया में साथ ही आगे बढ़ते हैं।

फोटोग्राफी का परिदृश्य निरंतर रूप से विकसित हो रहा है, नई तकनीकें उभर रही हैं और स्थापित प्रथाओं को नया रूप दिया जा रहा है। एक फोटोग्राफी पत्रिका के संपादक के रूप में, यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने पाठकों को भविष्य के लिए तैयार करें। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए स्टूडियो न्यूज़ डिजिटल स्वरूप में आपके समक्ष आ रहा है, हमने सोशल मीडिया में अपनी दस्तक दे दी है। आप हमें इंस्टाग्राम, फेसबुक पेज, फेसबुक ग्रुप, X (ट्विटर), व्हाट्सप्प ग्रुप और व्हाट्सप्प चैनल पर भी फॉलो करके दुनिया भर में फोटोग्राफी से जुड़ी जानकारी सबसे पहले अपनी हिंदी भाषा में प्राप्त कर सकते हैं। नीचे आपको सभी सोशल मीडिया के लिंक मिल जायेगे, आप इन लिंक के द्वारा हमें फॉलो कर सकते है।

आप और आपका परिवार सुखी एवं स्वस्थ रहे ऐसी ईश्वर से कामना हैं। फोटोग्राफी से सम्बंधित किसी भी समस्या एवं जानकारी हेतु आप हमें 11 से 7 बजे तक दूरभाष : 0522-4108575 / 0522-3654971 पर संपर्क कर सकते है।

सुरेंदर सिंह बिष्ट, सम्पादक

Follow Us :

www.facebook.com/studionewsindia/ @studionews_india

कैनन ने RF 35mm F1.4 L VCM लेंस की घोषणा की

कैनन ने RF 35mm F1.4 L VCM लेंस की घोषणा की है, जो कंपनी के अनुसार स्थिर-फोकल-लंबाई वाले RF लेंस की श्रृंखला में पहला रिलीज़ है, जिसे स्टिल और वीडियो के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह कैनन की 'L' सीरीज़ में सबसे वाइड RF-माउंट प्राइम लेंस बन गया है।

सिग्मा ने फुल-फ्रेम कैमरों के लिए 28-45mm F1.8 आर्ट लेंस की घोषणा की

सिग्मा ने अपने नवीनतम ऑप्टिक, E-माउंट और L-माउंट कैमरों के लिए 28-45mm F1.8 DG DN आर्ट लेंस की घोषणा की है। लेंस एक वाइड से स्टैंडर्ड फोकल रेंज को कवर करता है, सिग्मा का दावा है कि यह फुल-फ्रेम मिररलेस कैमरों के लिए पहला फिक्स्ड एपर्चर F1.8 ज़ूम लेंस है।

Sigma ने Sony E और Leica L माउंट के लिए 24-70mm F2.8 DG DN II की घोषणा की

Sigma ने प्रीमियम ऑप्टिक्स की अपनी आर्ट सीरीज़ के हिस्से के रूप में 24-70mm F2.8 DG DN II की घोषणा की है, जो एक दूसरी पीढ़ी का, मिररलेस-ओनली फ़ास्ट स्टैंडर्ड ज़ूम लेंस है। सिग्मा का कहना है कि शार्पनेस और कंट्रास्ट का प्रदर्शन मौजूदा लेंस से बेहतर है, जिसमें आधुनिक डिजाइन तकनीक, नई ग्लास सामग्री और बेहतर विनिर्माण क्षमताएं मिलकर कम कोमा और बेहतर ऑप्टिकल क्वालिटी वाला लेंस प्रदान करती हैं।

Apple ने मीडिया क्रिएटर्स के लिए नए iPad, ऐप और एक्सेसरीज़ लॉन्च किए

Apple ने OLED डिस्प्ले के साथ नए iPad Pro, वीडियो शूट करने के लिए एक प्रो-ओरिएंटेड कैमरा ऐप, iPad के लिए फाइनल कट प्रो का अपडेटेड वर्जन और बहुत कुछ पेश किया।

अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय खबरें

विल्ट्रोक्स ने Z-माउंट के लिए एक फास्ट, अल्ट्रा-वाइड लेंस, AF 16mm F1.8 Z की घोषणा की

विल्ट्रोक्स ने औपचारिक रूप से अपने AF 16mm F1.8 Z लेंस के रिलीज़ की घोषणा की है, जो फुल-फ्रेम Z-माउंट कैमरों के लिए एक फास्ट, वाइड ऑटोफ़ोकस प्राइम लेंस है। यह सोनी E-माउंट के लिए विल्ट्रोक्स के मौजूदा AF 16mm F1.8 लेंस के बाद लाइनअप में शामिल हो गया है। विल्ट्रोक्स का कहना है कि लेंस विशेष रूप से एस्ट्रोफ़ोटोग्राफ़ी, लैंडस्केप और आर्किटेक्चर की फोटोग्राफी के लिये है।

हैसलब्लैड ने मीडियम फ़ॉर्मेट कैमरों के लिए XCD 25mm F2.5 अल्ट्रा-वाइडएंगल की घोषणा की

XCD 2.5/25V हैसलब्लैड XCD वर्सेटाइल (V) सीरीज़ लेंस में सबसे वाइड-एंगल लेंस है। इसमें 20mm फुल-फ्रेम समतुल्य फ़ोकल लंबाई और f/2.5 का अधिकतम एपर्चर है। अपने विस्तृत दृश्य और बड़े एपर्चर के साथ, XCD 2.5/25V को रात्रिकालीन शहरी दृश्यों, तारों से भरे आसमान और इनडोर पोर्ट्रेट को असाधारण कैप्चर में बदलने के लिए डिज़ाइन किया गया है। हैसलब्लैड ने "रात या शाम और गोधूली बेला में शूटिंग" के लिए इसका उपयोग करने का सुझाव दिया है, और कहा है कि इसका उपयोग "शहर के दृश्यों, सड़क फोटोग्राफी, प्राकृतिक परिदृश्य / खगोल फोटोग्राफी ... साथ ही कम रोशनी वाले इनडोर पोर्ट्रेट और क्लोज-अप के लिए किया जा सकता है।"

फूजीफ़िल्म ने मीडियम फ़ॉर्मेट के लिए 500mm F5.6 R LM OIS WR टेली की घोषणा की

फूजीफ़िल्म ने अपने GFX मीडियम फ़ॉर्मेट सिस्टम के लिए अपेक्षाकृत कॉम्पैक्ट सुपर-टेलीफ़ोटो प्राइम GF 500mm F5.6 R LM OIS WR की घोषणा की है। FUJINON GF500mm F5.6 R LM OIS WR (GF500mm), एक सुपर टेलीफ़ोटो प्राइम लेंस है जिसे उन फ़ोटोग्राफ़रों के लिए डिज़ाइन किया गया है जो मुख्य रूप से वन्यजीवों और आउटडोर खेलों से लेकर लैंडस्केप और स्ट्रीट फ़ोटोग्राफ़ी तक की शैलियों में दूर, गतिशील विषयों में विशेषज्ञता रखते हैं। GF500mm 500mm (35mm फ़ॉर्मेट में 396mm के बराबर) तक की छवियाँ बना सकता है, जो इसे आज तक GF लेंस की लाइनअप में सबसे लंबी रेंज वाला लेंस बनाता है।

Adobe ने Lightroom को 'जेनरेटिव रिमूव' और लेंस ब्लर टूल के साथ अपडेट किया

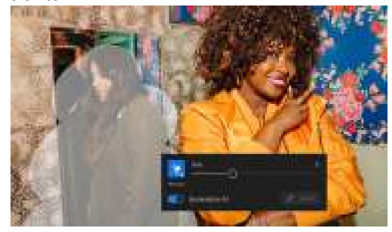

Adobe ने अपने सॉफ्टवेयर में AI को लागू करने की अपनी खोज को आगे बढ़ाते हुए, Adobe, Adobe Firefly के 'जेनरेटिव' टूल को Lightroom में ला रहा है। Adobe ने Adobe Lightroom में Generative Remove का अनावरण किया, जो Adobe Firefly के जादू को सीधे Lightroom मोबाइल, वेब और डेस्कटॉप सतहों पर रोज़मर्रा के फ़ोटो संपादन वर्कफ़्लो में लाता है। Generative Remove, Lightroom का अब तक का सबसे शक्तिशाली रिमूव टूल है, जो सभी को किसी भी फ़ोटो से अवांछित ऑब्जेक्ट को बिना किसी नुकसान के एक क्लिक में हटाने की शक्ति देता है, जो उच्च-गुणवत्ता और आश्चर्यजनक परिणामों के लिए हटाए गए क्षेत्र को पिक्सेल परफेक्ट जेनरेशन के साथ समझदारी से मिलान करता है।

Sirui ने 5 माउंट विकल्पों में नाइट वॉकर 16mm T1.2 S35 सिने लेंस जारी किया

Sirui ने नाइट वॉकर 16mm T1.2 S35 सिने लेंस जारी किया है, जो APS-C / सुपर 35 सिने लेंस की नाइट वॉकर लाइन में इसका नवीनतम लेंस है। सिरूई की नाइट वॉकर लाइन को बेहतरीन लो-लाइट परफॉर्मेंस के लिए जाना जाता है, जिसके बारे में कंपनी का कहना है कि यह सोलो फिल्म निर्माताओं को बाहरी फिल लाइटिंग की आवश्यकता को कम करने में मदद करता है। यह न्यूनतम फ़ोकस ब्रीदिंग के साथ शार्प विज़ुअल का वादा करता है।

Thypoch ने 4 लेंस माउंट के लिये Simera 35mm और 28mm F1.4 की घोषणा की

रेट्रो-प्रेरित डिज़ाइन के साथ, चीन स्थित अपस्टार्ट थाइपोच Z, X, E और RF माउंट के लिए अपने लेंस की जोड़ी के साथ लोगों का ध्यान आकर्षित करने की उम्मीद कर रहा है।

चीनी लेंस निर्माता थाइपोच ने घोषणा की है कि उसके सिमरा 35 मिमी और 28 मिमी F1.4 लेंस Z, X, E और RF माउंट में आ रहे हैं। थाइपोच, लेंस बाजार में एक नई कंपनी है और M-माउंट लेंस इसके लॉन्च उत्पाद थे।

दोनों लेंस बहुत सरल हैं; वे मैनुअल फ़ोकस और एपर्चर रिंग के साथ पूरी तरह से मैकेनिकल हैं, और वे कैमरे को कोई EXIF डेटा वापस नहीं भेजते हैं।

फूजीफ़िल्म ने GFX 100S II कॉम्पैक्ट मीडियम फ़ॉर्मेट कैमरा बनाया

फूजीफ़िल्म ने GFX 100S II की घोषणा की है, जो इसके अधिक कॉम्पैक्ट, किफ़ायती 100MP मीडियम फ़ॉर्मेट मिररलेस कैमरे का उन्नत संस्करण है, जिसमें बेहतर व्यूफ़ाइंडर और उन्नत क्षमताएँ हैं।

GFX100S II एक नए, उच्च-प्रदर्शन वाले GFX 102MP CMOS II बड़े प्रारूप सेंसर से लैस है जो 35mm फुल-फ्रेम सेंसर से लगभग 1.7 गुना बड़ा है, और इसे Fujifilm के नवीनतम हाई-स्पीड इमेज प्रोसेसिंग इंजन, X-प्रोसेसर 5 के साथ जोड़ा गया है, जो सभी एक कॉम्पैक्ट बॉडी के भीतर रखे गए हैं और इसका वजन लगभग 883 ग्राम (31 औंस) है, जो इसे GFX सिस्टम में सबसे हल्का डिजिटल कैमरा बनाता है।

पैनासोनिक ने 26mm F8 बॉडी-कैप मैनुअल लेंस और 18-40mm ट्रेल्स की घोषणा की

पैनासोनिक ने S9 के साथ जाने के लिए मैनुअल फोकस, फिक्स्ड अपर्चर 26mm F8 लेंस की घोषणा की है, यह भी कहा गया है कि यह 18-40mm F4.5-6.3 वाइड-एंगल ज़ूम पर काम कर रहा है। पैनासोनिक को नए LUMIX S 26mm F8 (S-R26) की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, जो एक अविश्वसनीय रूप से कॉम्पैक्ट और हल्का लेंस है जिसे नए LUMIX S9 कैमरा बॉडी के लिए एकदम सही मैच के रूप में डिज़ाइन किया गया है। अपनी पतली प्रोफ़ाइल के बावजूद, 26mm में बेहतरीन डिज़ाइन, उच्च रिज़ॉल्यूशन और बेहतरीन इमेज क्वालिटी है जिसके लिए LUMIX जाना जाता है।

Leica का नया कॉम्पैक्ट डिजिटल कैमरा D-Lux 8

Leica ने घोषणा की है कि वह D-Lux 8 पेश करेगी, जो 4/3 सेंसर पर आधारित एक उत्साही ज़ूम कॉम्पैक्ट है। Leica Camera AG नया Leica D-Lux 8 लॉन्च करेगा। 2003 में, जर्मन प्रीमियम निर्माता ने पहला D-Lux पेश किया। आठ पीढ़ियों और कई विशेष संस्करणों के बाद, D-Lux ने Leica के डिजिटल कॉम्पैक्ट कैमरों के शीर्ष-गुणवत्ता वाले सेगमेंट में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

Halide ने iOS के लिए "प्रो वीडियो कैमरा" Kino की घोषणा की

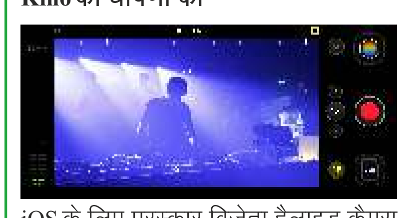

iOS के लिए पुरस्कार विजेता हैलाइड कैमरा ऐप की टीम ने किनो की घोषणा की है, जो केवल वीडियो के लिए ऐप है जिसमें उन्नत वीडियो कैप्चर सुविधाएँ और प्रो कलरिस्ट द्वारा बनाए गए बिल्ट-इन कलर प्रीसेट शामिल हैं। डेवलपर्स का कहना है कि किनो का उद्देश्य उपयोगकर्ताओं को कुछ दक्ष बिल्ट-इन लॉजिक के आधार पर स्वचालित और मैन्युअल शूटिंग मोड दोनों में पूर्ण नियंत्रण देना है। ऐप में ऑटोमोशन नामक एक सुविधा शामिल है, जो सिनेमैटिक मोशन ब्लर बनाने के लिए स्वचालित रूप से 180° शटर कोण सेट करती है।

STUDIO NEWS
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 6 जून 2024 से 5 जुलाई 2024

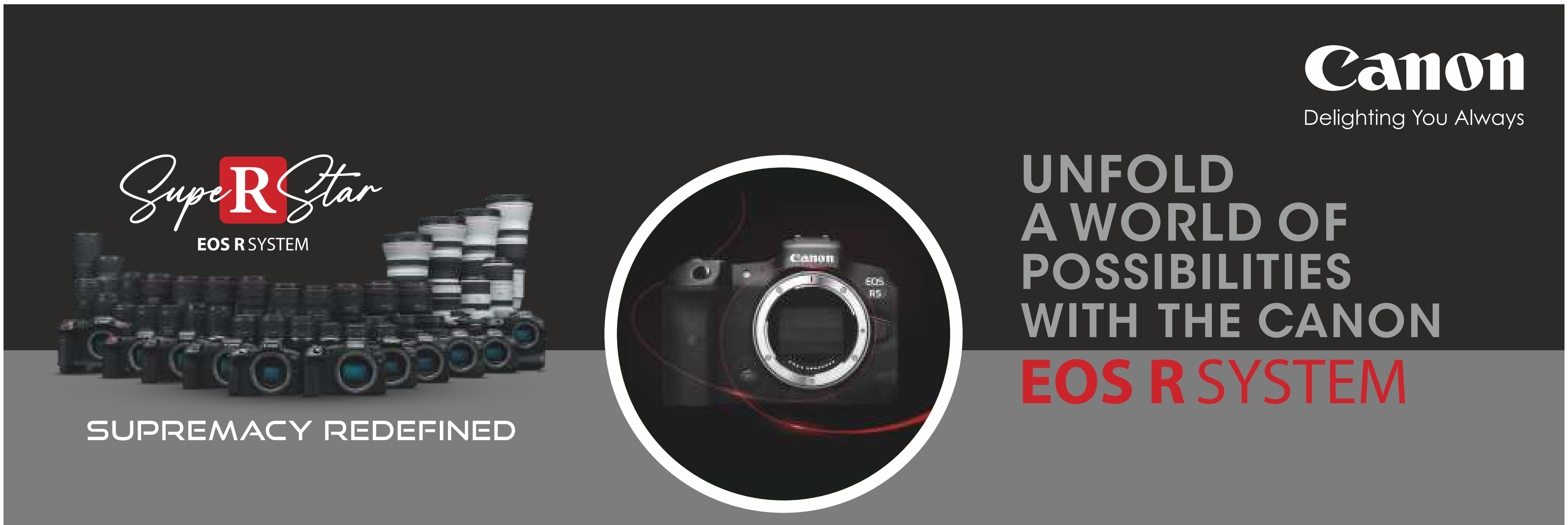

कैनन के क्रांतिकारी EOS R सिस्टम के साथ फोटोग्राफी के भविष्य में कदम रखें, जिसमें आपके इमेजिंग अनुभव को फिर से परिभाषित करने के लिए डिज़ाइन किए गए मिररलेस कैमरे, RF और RF-S लेंस की एक विविध श्रृंखला शामिल है। EOS R सिस्टम के साथ अपनी फोटोग्राफिक यात्रा शुरू करते समय अद्वितीय रचनात्मकता, सटीकता और बहुमुखी प्रतिभा को अपनाएं।

कैनन EOS R सिस्टम

फोटोग्राफिक तकनीक में एक बड़ी छलांग का प्रतिनिधित्व करता है, जो आज के फोटोग्राफर्स की मांगों को पूरा करने के लिए मिररलेस कैमरों और RF लेंसों की एक विस्तृत श्रृंखला की पेशकश करता है। अत्याधुनिक सुविधाओं और बेजोड़ प्रदर्शन के साथ, EOS R सिस्टम प्रत्येक घटक के फोटोग्राफरों को उनकी रचनात्मकता की सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए और सशक्त बनाने के लिए सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है।

EOS R श्रृंखला के कैमरों को खोजे, जो बेहतर कार्यक्षमता के साथ अभिनव डिजाइन का सहज मिश्रण हैं। शक्तिशाली EOS R100 से लेकर उच्च-प्रदर्शन वाले EOS R5 तक, प्रत्येक कैमरे को असाधारण छवि गुणवत्ता और बेजोड़ बहुमुखी प्रतिभा प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। उन्नत ऑटो फोकस सिस्टम से लेकर शानदार ओवरसैंपल्ड वीडियो रिकॉर्डिंग तक, EOS R श्रृंखला यह सुनिश्चित करती है कि हर पल को सटीकता और स्पष्टता के साथ कैप्चर किया जाए।

कैनन के मिररलेस कैमरों की ताकत को बढ़ाते हुए RF लेंस ऑप्टिकल उत्कृष्टता में नए मानक स्थापित कर रहे हैं। सटीकता से तैयार किए गए, ये लेंस अद्वितीय तीक्ष्णता, स्पष्टता और बोकेह प्रदान करते हैं, जिससे फोटोग्राफरों को अपनी रचनात्मकता दिखाने का मौका मिलता है। वाइड-एंगल प्राइम से लेकर टेलीफोटो ज़ूम तक, RF लेंस लाइनअप हर शूटिंग परिदृश्य के लिए एक समाधान प्रदान करता है, यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक छवि लुभावनी विवरण और गहराई से युक्त है।

प्रोफेशनल फोटोग्राफरों द्वारा विभिन्न ट्रेड शो (एक्जीबिशन और फेयर) में भाग लेने का महत्व

प्रोफेशनल फ़ोटोग्राफ़रों के लिए अपने व्यवसाय के रूझानों से अपडेट रहने, नई तकनीकों की खोज करने और अपने व्यावसायिक नेटवर्क का विस्तार करने के लिए विभिन्न ट्रेड शो या व्यापार प्रदर्शनियों में भाग लेना आवश्यक है। यह लेख फ़ोटोग्राफ़ी, प्रिंट-संबंधी और व्यावसायिक ट्रेड शो में जाने के लाभों की पड़ताल करता है, जो आपके कौशल को बढ़ाने के साथ-साथ आपकी कमाई की क्षमता को बढ़ाने के लिए मूल्यवान जानकारी प्रदान करता है।

एक प्रोफेशनल फ़ोटोग्राफ़र के दृष्टिकोण से, मोटे तौर पर तीन प्रकार के ट्रेड शो होते हैं: केवल फ़ोटोग्राफ़ी के लिए समर्पित ट्रेड शो, प्रिंट-संबंधित ट्रेड शो, और विभिन्न औद्योगिक ट्रेड शो जो सीधे फ़ोटोग्राफ़ी से संबंधित नहीं होते हैं। मेरा मानना है कि प्रोफेशनल फ़ोटोग्राफ़रों को तीनों श्रेणियों के ट्रेड शो में जाना चाहिए, और यहाँ इसके कारण दिए गए हैं:

1. फोटोग्राफी ट्रेड शो/एक्जीविशन

इनके उदाहरण हैं प्रसिद्ध CEIF और देश भर में आयोजित होने वाले विभिन्न फोटो फेयर एवं कई अन्य कार्यक्रम। प्रोफेशनल फ़ोटोग्राफ़रों के लिए हर साल कम से कम एक प्रमुख राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी और अपने घर के नज़दीक एक प्रदर्शनी में भाग लेना लगभग अनिवार्य है। फोटो फेयर या प्रदर्शनी में पूरी फ़ोटोग्राफ़ी रेंज के प्रमुख ब्रांड अपने-अपने उत्पादों का प्रदर्शन करते हैं, और कुछ इन आयोजनों में नए उत्पाद भी लॉन्च करते हैं। यहाँ इन उत्पादों को छूने और महसूस करने और उन्हें विशेष छूट की दरों पर खरीदने का एक शानदार अवसर मिलता है। शादी के एल्बम और प्रिंटिंग के लिए सब्सट्रेट (पेपर इत्यादि) सहित कई तरह की प्रिंटिंग तकनीकें भी प्रदर्शित की जाती हैं। कई निःशुल्क कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं, जहाँ आप अपना मूल्यवान ज्ञानवर्धन बढ़ाने और आपस में मेल-जोल बढ़ाने का अवसर प्रदान करती हैं। यहाँ आप फोटोग्राफी क्षेत्र के शीर्ष प्रभावशाली व्यक्तियों और उद्योग के अग्रणी लोगों से भी जुड़ सकते हैं।

यहाँ मुख्य उद्देश्य फोटोग्राफी उद्योग से जुड़े रहना, विकसित हो रही तकनीकों को समझना और नए उपकरणों के बारे में सीखना है जो आपके काम को बेहतर बना सकते हैं। इन शो में भाग लेने से, आपको नवीनतम रूझानों और नई खोजों के बारे में जानकारी मिलती है, जो आपको अपने व्यवसाय में प्रतिस्पर्धी बने रहने और अपने कौशल को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है।

2. प्रिंट-संबंधित ट्रेड शो

उदाहरणों में PAMEX, मीडिया एक्सपो और इसी तरह के अन्य कार्यक्रम शामिल हैं। प्रोफेशनल फ़ोटोग्राफ़रों को फ़ोटो इंडस्ट्री में इस्तेमाल की जाने वाली विभिन्न प्रिंटिंग तकनीकों, इन तकनीकों द्वारा प्रिंट किए जा सकने वाले विभिन्न सबस्ट्रेट्स और बनाए जा सकने वाले विभिन्न अंतिम उत्पादों या अनुप्रयोगों का उचित ज्ञान होना चाहिए। शादी के एल्बम सिर्फ़ एक उदाहरण हैं। प्रिंट फ़ोटोग्राफ़रों को अपनी आय में काफ़ी वृद्धि करने में मदद करता है और ऐसे कई उत्पाद प्रदान करता है जिनकी ग्राहक सराहना करेंगे और उनके लिए भुगतान करेंगे।

उदाहरण के लिए, मुंबई में हाल ही में संपन्न मीडिया एक्सपो 2024 में, मैंने HP स्टॉल पर एक प्रेजेंटेशन दिया, जिसमें बताया गया कि साइनेज प्रिंटर और प्रोफेशनल फ़ोटोग्राफ़र किस तरह से हमारे मज़बूत वेडिंग इंडस्ट्री में नए अवसरों को बनाने और उनका लाभ उठाने के लिए साझेदारी कर सकते हैं। यहाँ मुख्य उद्देश्य विभिन्न प्रिंटिंग और संबंधित तकनीकों के बारे में सीखना और नए अनुप्रयोगों की खोज करना है जो आपकी कमाई की क्षमता को बढ़ा सकते हैं। प्रिंट आपके व्यवसाय की पेशकश को बढ़ाने के लिए एक शक्तिशाली माध्यम है।

3. उद्योग ट्रेड शो

ये शो सीधे तौर पर फ़ोटोग्राफी से संबंधित नहीं हैं। उदाहरणों में आतिथ्य उद्योग, स्पोर्टस एक्जीविशन या शूज एक्जीविशन से संबंधित ट्रेड शो शामिल हैं। अन्य चुनिंदा उदाहरण निर्माण उद्योग ट्रेड शो, रेस्तरां और खाद्य उद्योग ट्रेड शो, कृषि ट्रेड शो, स्वास्थ्य सेवा उद्योग ट्रेड शो और परिधान और फैशन ट्रेड फेयर हैं।

अपनी रूचियों या फोटोग्राफी कौशल के आधार पर, सही ट्रेड शो की पहचान करें और उसमें जाने की अपनी योजना बनाएं। आप सैकड़ों निर्माताओं, आपूर्तिकर्ताओं और उद्योग के प्रोफेशनलों से जुड़ सकते हैं, जिन्हें विभिन्न प्रकार के फोटोग्राफी असाइनमेंट, जैसे उत्पाद फोटोग्राफी, कर्मचारी फोटो या इवेंट कवरेज की नियमित आवश्यकता होती है। मैं दृढ़ता से हर साल इनमें से कुछ ट्रेड शो में जाने का सुझाव देता हूं। समय के साथ, आप सीखेंगे कि व्यवसाय के दृष्टिकोण से कौन सा आपके लिए सबसे उपयुक्त है। **बुनियादी मार्केटिंग सबक याद रखें : यदि आप अलग परिणाम चाहते हैं, तो आपको कुछ अलग करना होगा।** नई खोज करने और बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए, नई रणनीतियों के साथ प्रयोग करना और अपने प्रयासों से सीखना आवश्यक है।

यहाँ आपका प्राथमिक उद्देश्य अपने लिये कार्य खोजना है, जिससे आपके पास हमेशा काम रहे और आपकी लगातार कमाई सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है। लीड उत्पन्न करने से परे, ये ट्रेड शो विविध उद्योगों और उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं को समझने का अवसर प्रदान करते हैं। इन उद्योगों में अंतर्दृष्टि प्राप्त करके, फ़ोटोग्राफ़र अपनी सेवाओं को अद्वितीय मांगों को पूरा करने के लिए तैयार कर सकते हैं, जिससे उनके काम के लिए विशिष्ट बाज़ार बन सकते हैं। उदाहरण के लिए, खाद्य फ़ोटोग्राफ़ी में विशेषज्ञता रखने वाले फ़ोटोग्राफ़र को रेस्तरां और खाद्य उद्योग ट्रेड शो में अवसर मिल सकते हैं, जबकि फ़ैशन फ़ोटोग्राफ़र को परिधान और फ़ैशन ट्रेड मेलों में नए ग्राहक मिल सकते हैं।

विभिन्न उद्योगों के साथ जुड़ने से रचनात्मकता और नवाचार को भी बढ़ावा मिलता है। विभिन्न माहौल और उत्पादों के संपर्क में आने से नए विचार और तकनीकें प्रेरित हो सकती हैं जिन्हें आपके फोटोग्राफी अभ्यास में शामिल किया जा सकता है। विचारों का यह आदान-प्रदान न केवल आपके पोर्टफोलियो को बढ़ाता है बल्कि आपके दृष्टिकोण को भी दूरदर्शी बनाता है, जिससे आप अधिक बहुमुखी और परिस्थिति को समझने वाले बनते हैं।

व्यापार मेलों में जाने से पहले की तैयारी

किसी भी ट्रेड शो या फेयर में जाने से पहले उचित योजना बनानी चाहिए। अन्यथा, पूरा उद्देश्य ही खत्म हो जाएगा। सबसे पहले खुद से पूछें कि ट्रेड शो या फेयर में जाने का उद्देश्य क्या है, और फिर इन चरणों का पालन करें :

1. **योजना** : नियमित अपडेट प्राप्त करने के लिए प्रदर्शनी आयोजक के सोशल मीडिया हैंडल को फॉलो करें। यदि संभव हो तो कार्यक्रम के लिए पहले से पंजीकरण करा लें। फोटोग्राफी ट्रेड शो के लिए, उत्पाद लॉन्च और अन्य प्रासंगिक जानकारी के बारे में सूचित रहने के लिए प्रमुख ब्रांडों के सोशल मीडिया हैंडल को फॉलो करें। सत्रों में भाग लेने, बूथों पर जाने और नेटवर्किंग के लिए विशिष्ट समय आवंटित करें। आराम करने और अपने नोट्स की समीक्षा करने के लिए छोटे ब्रेक शामिल करें।
2. **प्रदर्शकों (एक्जीबिटर्स) पर शोध करें :** प्रदर्शकों की सूची का अध्ययन करें और उन लोगों की पहचान करें जिन्हें आप देखना चाहते हैं। कृपया उन प्रश्नों या बिंदुओं की सूची बनाएं जिन पर आप उनसे चर्चा करना चाहते हैं। यह विशेष रूप से तब मददगार होता है जब आप कुछ खास सीखना चाहते हैं या कोई उत्पाद खरीदने पर विचार कर रहे हैं।
3. **मीटिंग शेड्यूल करें :** यदि संभव हो तो, प्रमुख एक्जीबिटर्स (प्रदर्शकों) या उद्योग जगत के शीर्ष लोगों के साथ पहले से ही मीटिंग की व्यवस्था करें ताकि आप उनसे आमने-सामने मिल सकें। ध्यान रखें कि स्टॉल पर मौजूद टीम के सदस्यों के पास सीमित समय होता है और उन्हें कई आने वाले लोगों से बातचीत करनी होती है, इसलिए उनके समय का सम्मान करें।
4. **अपनी सामग्री तैयार करें :** ढेर सारे बिज़नेस कार्ड/विजिटिंग कार्ड और अपने काम का डिजिटल या फ़िज़िकल पोर्टफ़ोलियो साथ लाएँ, ख़ास तौर पर फोटोग्राफी से अलग दूसरे उद्योग ट्रेड शो के लिए जहाँ आप नये ग्राहकों को प्रभावित कर सकते हैं। इसके अलावा, नोट्स लेने के लिए एक छोटी नोटबुक भी साथ रखें।
5. **प्रोफेशनल तरीके से कपड़े पहनें :** पहली छाप मायने रखती है, इसलिए खुद को और अपने व्यवसाय को अच्छी तरह से पेश करने के लिए उचित कपड़े पहनें। आरामदायक जूते पहनना न भूलें।

विभिन्न प्रकार के ट्रेड शो में भाग लेने और पर्याप्त रूप से तैयारी करके, आप उद्योग के रूझानों से अपडेट रह सकते हैं, अपने कौशल सेट को बढ़ा सकते हैं, नए व्यावसायिक लीड उत्पन्न कर सकते हैं, और अंततः अपनी कमाई की क्षमता बढ़ा सकते हैं। ट्रेड शो प्रोफेशनल विकास और व्यवसाय विकास के लिए अमूल्य अवसर प्रदान करते हैं।

विमल परमार
Independent Marketing Consultant
Digital Print Evangelist
@vimalparmar

कैनन द्वारा उ.प्र. के विभिन्न जिलों में आयोजित वर्कशॉप्स

मऊ

अयोध्या

सीतापुर

आजमगढ़

रायबरेली

बस्ती

STUDIO NEWS
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 6 जून 2024 से 5 जुलाई 2024

अगर आपकी फोटो अच्छी नहीं है तो समझ जाइए आप सब्जेक्ट के पास नहीं हैं। - राबर्ट कापा

स्मार्टफोन फोटोग्राफी के बारे में जानने योग्य 50 बातें

Pic : Atul Hundoo

वरिष्ठ छायाकार **अतुल हुन्डू** मोबाइल फोटोग्राफी के क्षेत्र में खास काम कर रहे हैं। स्मार्टफोन द्वारा फोटोग्राफी करते समय हमें किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, इस पर यह आलेख -

फोटोग्राफी से अपने 26 सालों से ज़्यादा के जुड़ाव के दौरान बहुत सी बेहतरीन तस्वीरें देखने और बहुत से प्रतिष्ठित फोटोग्राफरो से सीखने का मौका मिला। समझदार फोटोग्राफर इस बात की परवाह नहीं करते कि आप किस साधन से शूट करते हैं। वे दृष्टि का सम्मान करते हैं साधन का नहीं। इस दौरान यह भी समझ आया कि फोटोग्राफर तस्वीर लेता नहीं, तस्वीरें बनाता है। यह एक रचनात्मक कला है जिसमें कैमरा, ब्रश या कलम की तरह अभिव्यक्ति का माध्यम भर है। मोबाइल से ली गई तस्वीर भी एक अच्छी तस्वीर हो सकती है। इसलिए स्मार्टफोन फोटोग्राफर भी एक फोटोग्राफर ही है। स्मार्टफ़ोन फोटोग्राफी इस कला के प्रसार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। गुरूओ द्वारा मिले ज्ञान के आधार पर मैंने स्मार्टफोन फोटोग्राफर्स के लिए कुछ ज़रूरी 50 बिंदुओं की सूची बनाई है।

1. सिर्फ इसलिए कि किसी के पास महंगा कैमरा है इसका मतलब यह नहीं है कि वह एक अच्छा फोटोग्राफर है। सबसे अच्छा कैमरा वह है जो हमेशा आप के पास है और जिसका बेहतर उपयोग करना आप जानते हों। कैमरा में फोकस और एक्सपोजर आदि सेटिंग्स को नियंत्रित करना सीखें।
2. एक अच्छी तस्वीर यह जानती है कि कहाँ खड़ा होना है। एक तस्वीर को लेने के कई एंगल हो सकते हैं। यह उस फोटोग्राफर की समझ, नज़रिए और सब्जेक्ट पर उसकी एप्रोच पर डिपेंड करता है। क्लिक करने से पहले सब्जेक्ट, बैकग्राउंड और रौशनी के अनुसार अपनी पोजीशन चुने।
3. फोटोग्राफी में एक छोटा सब्जेक्ट एक बड़ा विषय हो सकता है। एक साधारण सा दिखने वाला सब्जेक्ट भी बेहतरीन ट्रीटमेंट से एक बेहतरीन तस्वीर बन जाता है।
4. जितना अधिक आप शूट करेंगे उतना ही आप सीखेंगे। इससे आपकी दृष्टि का विकास होगा। सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म्स, फ़ोटोग्राफ़ी फ़ोरम पर दिन में घंटों खर्च करने के बजाय बाहर जाएं और प्रक्टिस करें।
5. स्मार्टफोन की सीमाओं का ध्यान रखे उदाहरण के लिए स्मार्टफोटोग्राफी में डिजिटल जूम का प्रयोग अवॉयड करें। आप के पांव ही जूम हैं।
6. फोटो एडिटिंग स्वयं में एक कला है। यह एक तरह का डिजिटल डार्करूम है। डजिंग बर्निंग आदि तस्वीर सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।
7. फोटोशॉप (एडिटिंग) से आप ख़राब तस्वीर को अच्छा नहीं बना सकते।
8. सबसे अच्छे दिखने वाले मोबाइल प्रिंटों में अक्सर बहुत कम एपिंग/संपादन होता है। सभी को अपनी स्मार्टफोन तस्वीरों को एक बार प्रिंट करा कर ज़रूर देखना चाहिए। इससे उन्हें तस्वीर की क्वालिटी और एडिटिंग के बारे में समझ बढेगी।
9. कम्पोजीशन के नियम जानना बहुत महत्वपूर्ण है। जैसे रूल ऑफ़ थर्ड ऐसा नियम है जो 99% समय काम करता है।
10. अच्छा कैमरा व बेहतर लेंस अपने आप तस्वीर नहीं लेता। अच्छे फोटोग्राफ्स गियर्स से नहीं दिमाग से बनते है। तस्वीरें लेते समय खुद पर विश्वास रखे।
11. फोटोग्राफी की सभी शैलियां सभी के लिए नहीं होती जैसे मैक्रो फोटोग्राफी की विधा। लेकिन शुरुवात में हर चीज़ ट्राई करनी चाहिए।
12. अपनी तस्वीरों को ब्लैक एंड वाइट बनाना स्वचालित रूप से उन्हें कलात्मक नहीं बनाता।
13. तकनीकी पहलुओं के बारे में कम चिंता करें और फोटोग्राफी के रचनात्मक पहलुओं पर अधिक ध्यान केंद्रित करें।
14. ओवर एक्सपोज से अंडर एक्सपोज करना हमेशा बेहतर होता है।
15. डेलाइट में फोटो लेते समय हमेशा 1/2 से 1 स्टॉप अंडर एक्सपोज़ करना बेहतर रहता है। हमेशा तस्वीर में हाई-लाइटस के हिसाब से एक्सपोज़र सेट करें।
16. जितनी अधिक तस्वीरें आप क्लिक करेंगे, उतना ही आप की कला में निखार आएगा।
17. अलग-अलग एक्सपोजर, कोण या एपर्चर पर एक ही दृश्य की कई तस्वीरें लेने से हिचकिचाए नहीं।
18. प्रोसेसिंग के समय री-फ्रेम करने से अच्छा है कैमरा में सही फ्रेम प्राप्त करना।
20. फोटोग्राफी का मतलब है प्रकाश से पेंटिंग, प्रकाश का बेहतर इस्तेमाल करें। नेचुरल लाइट सबसे प्रकाश का सबसे अच्छा स्रोत है।
21. आपको कम से कम सम्भावना वाली परिस्थितियों में सबसे अच्छे फोटो अवसर मिलेंगे - जैसे बारिश का मौसम।
22. ह्यूमन एलिमेंट्स शामिल के साथ तस्वीरें हमेशा अधिक दिलचस्प हो जाती हैं।
23. अच्छी तस्वीरें पाने के लिए आपको कही दूर जाने की जरूरत नहीं है। आपके आसपास भी अच्छे अवसर होते हैं बस उन्हें ढूंढने की देर है।
24. एक नाइज़ी फोटो एक धुंधली या हिली हुई फोटो से बेहतर है।
25. एक्शन शॉट्स, स्ट्रीट फोटोग्राफी आदि में निर्णायक पल कैप्चर करें।
26. सप्ताह में एक बार घंटो शूट करने से बेहतर है 10 मिनट रोजाना शूट करना।
27. अपनी तकनीक और गियर के साथ लगातार प्रयोग करें। एक बार उस पर महारत हासिल कर लेने के बाद कुछ नया ट्राई करें।
28. एचडीआर मोड का इस्तेमाल बहुत ध्यानपूर्वक करना चाहिए।
29. यदि संभव हो तो कई तस्वीरें (मल्टीप्ल शॉट्स) लें। बाद में सबसे बेहतर शॉट चुन कर बाकी शॉट हटा सकते हैं।
30. अन्य फोटोग्राफरों से प्रेरणा लीजिए लेकिन उन्हें कॉपी न करें। फोटोग्राफी की अपनी शैली ढूंढें।
31. कुछ असाधारण की सामान्य तस्वीर लेने के बजाय, सामान्य चीज़ों की असाधारण तस्वीर लेना बेहतर है।
32. ऑनलाइन या ऑफलाइन फोटोग्राफी मंच में शामिल हों और फोटोग्राफी के बारे में अपना तकनीकी ज्ञान बढ़ाए।
33. अपनी और दूसरों की तस्वीरों को क्रिटिकली एनलाइज करें। इससे आप की समझ बढ़ेगी।
34. ज़्यादातर स्मार्टफोन फोटोग्राफर अमेचर्स होते है दूसरों से अपना तकनीकी ज्ञान और जानकारी बॉटें। कोई आप से तकनीक तो सीख सकता है लेकिन आप की दृष्टि नहीं चुरा सकता।
35. जितना अधिक गियर आप अपने साथ ले जाते हैं उतना कम आप फोटोग्राफी का आनंद लेंगे।
36. फोटो लेने के दौरान एक दृश्य का हिस्सा बनें।
37. स्ट्रीट फोटोग्राफी हो या कैंडिड फोटोग्राफी, मोबाइल फोन के साथ शूटिंग करते समय आत्मविश्वास बनाए रखें।
38. एक अच्छी तस्वीर को स्पष्टीकरण की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। पृष्ठभूमि अक्सर तस्वीर में सब्जेक्ट के बारे में जानकारी देती है।
39. मुस्कुराते हुए चेहरे तस्वीर में आकर्षक लगते है।
40. केवल सुन्दर चीज़ो की सुन्दर तस्वीरें लेना फोटोग्राफी नहीं है। सार्थक तस्वीरों का लक्ष्य रखें।
41. आई लेवल के अलावा नए एंगल जैसे वर्म्स-व्यू (डाउन एंगल) या बर्ड-आई-व्यू ट्राई करे।
42. सिर्फ अच्छा कम्पोजीशन एक बढ़िया तस्वीर की गारंटी नहीं होता।
43. ग्रुप फोटो वॉक्स का हिस्सा बनें। सड़क पर फोटोग्राफी करते वक़्त साथी फोटोग्राफर्स की मौजूदगी में आप ज़्यादा सहज महसूस करेंगे।
44. सड़कों पर शूटिंग करते समय हमेशा मुस्कुराए और धन्यवाद कहें।
45. लोगों या स्थानों की तस्वीरें लेते हुए उनका सम्मान करें।
46. अपनी छवियों को व्यवस्थित रखें। अपनी सबसे अच्छी तस्वीरों का बैकअप हमेशा रखना चाहिए। सोशलमीडिया पर पिक्चर का साइज छोटा हो जाता है।
47. एक ईमानदार टिप्पणी सैंकड़ों लाइक्स से बेहतर है। तस्वीर पर मिलने वाले लाइक्स क्वालिटी से ज़्यादा पॉपुलैरिटी पर बेस होते हैं। पॉपुलैरिटी और क्वालिटी दोनों अलग अलग बाते हैं।
48. अच्छी और बुरी आलोचना के बीच अंतर को जानने के लिए जानकारी बढ़ाए। सीखने के लिए यह अंतर समझना ज़रूरी है।
49. फोटोग्राफी को जीवन का आनंद लेने के तरीके में कभी न आने दें।
50. सबसे महत्वपूर्ण बात है शूट करने से पहले सोचे, शूट करने के बाद नहीं।

महान विभूतियाँ

सर जॉन ह्यूबर्ट मार्शल

(1876 - 1958)

सर जॉन ह्यूबर्ट मार्शल

सर जॉन ह्यूबर्ट मार्शल सी.आई.ई. एफ.बी.ए. एक अंग्रेज पुरातत्वविद्, इंडोलॉजिस्ट और कला इतिहासकार थे, जो इन क्षेत्रों में अपने महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाने जाते हैं।

इनका जन्म 19 मार्च 1876 को चेस्टर, यूनाइटेड किंगडम में हुआ था। वे 1902 से 1928 तक भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) के महानिदेशक रहे। इन्होंने सिंधु घाटी सभ्यता के दो मुख्य शहरों हड़प्पा और मोहनजोदड़ो की खुदाई की देखरेख की, उन्हें सांची, सारनाथ, तक्षशिला, क्रेते और नोसोस में खुदाई के लिए भी जाना जाता है। पुरातत्व के क्षेत्र में उनकी उत्कृष्ट सेवाओं और विशेषज्ञता के लिए उन्हें प्रतिष्ठित **"ऑर्डर ऑफ द इंडियन एम्पायर"** पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वह एक बेहतरीन डॉक्यूमेंट्री फ़ोटोग्राफ़र भी थे, उनके नाम पर पुरातात्विक स्थलों और पुरातात्विक कलाकृतियों के कई महत्वपूर्ण फ़ोटो-दस्तावेज हैं।

मार्शल ने किंग्स कॉलेज, कैम्ब्रिज से पहले अपनी स्कूली शिक्षा डुलविच कॉलेज से की, जहाँ 1898 में उन्होंने 'पोर्सन' पुरस्कार जीता। इसके बाद उन्होंने सर आर्थर इवांस के अधीन नोसोस में पुरातत्व का प्रशिक्षण लिया, जो कांस्य युग की मिनोअन सभ्यता की फिर से खोज कर रहे थे। एथेंस में ब्रिटिश स्कूल के प्रायोजन के तहत, जहाँ उन्होंने 1898 से 1901 तक पढ़ाई की, उन्होंने खुदाई (Escavation) में भाग लिया।

1902 में भारत के नए वायसराय लॉर्ड कर्जन ने मार्शल को ब्रिटिश भारतीय प्रशासन के अंतर्गत पुरातत्व महानिदेशक नियुक्त किया। मार्शल ने इस महाद्वीप पर पुरातत्व के दृष्टिकोण को आधुनिक बनाया, प्राचीन स्मारकों और कलाकृतियों की सूची बनाने और संरक्षण का कार्यक्रम शुरू किया।

मार्शल ने भारतीयों को अपने देश में खुदाई के काम में भाग लेने की अनुमति देने की प्रथा शुरू की। उनके ज़्यादातर छात्र भारतीय थे, और इसलिए, मार्शल ने भारतीय राष्ट्रवाद के प्रति बहुत सहानुभूति रखने की प्रतिष्ठा हासिल की। मार्शल भारतीय नागरिक, नेताओं और प्रदर्शनकारियों से सहमत थे जो भारत के लिए अधिक स्वशासन या यहाँ तक कि स्वतंत्रता चाहते थे। मार्शल ने भारत में काम करने के दौरान भारतीयों की बहुत

Gateway Stupa3, Sanchi

Excavation of Indus civilisation

Some Archaeological Site

Dhamek Stupa, Sarnath

प्रशंसा की। 1913 में, उन्होंने तक्षशिला में खुदाई शुरू की, जो 21 साल तक चली। 1918 में, उन्होंने तक्षशिला संग्रहालय की आधारशिला रखी, जिसमें आज भी कई कलाकृतियाँ और मार्शल के खींचे कुछ छायाचित्र रखे हुए हैं। इसके बाद वे सांची और सारनाथ के बौद्ध केंद्रों सहित अन्य स्थलों पर भी काम किया।

उनके काम ने भारतीय सभ्यता की प्राचीनता, विशेष रूप से सिंधु घाटी सभ्यता और मौर्य युग (अशोक युग) के साक्ष्य प्रदान किए। 1920 में, मार्शल ने दया राम साहनी के निर्देशन में हड़प्पा में खुदाई शुरू करवाई।

जॉन मार्शल के संदर्भ में फोटोग्राफी और पुरातत्व के क्षेत्र के बीच छिपे संबंधों को उजागर किया जा सकता है। उन्होंने दृश्य दस्तावेज (फोटो डाक्यूमेंटेशन) और संदर्भ (रेफरेंसेज) के रूप में छायाचित्रों के महत्व को समझा और समझाया। 18वीं शताब्दी में शोध करते समय विद्वान प्राचीन खंडहरों के चित्रों (स्केचेज) पर बहुत अधिक निर्भर थे। अगले 100 वर्षों में, स्थलों की सफाई, कलाकृतियों को हटाने आदि को दर्शाने के लिए रेखाचित्र, वुडकट, बेस रिलीफ और उत्कीर्णन का उपयोग किया गया। अंततः फोटोग्राफी का सहारा लिया गया क्योंकि इसमें विवरण की निष्ठा थी और इसने सटीकता और प्रामाणिकता स्थापित करने में मदद की। मार्शल पुरातात्विक और ऐतिहासिक साक्ष्य बनाने में फोटोग्राफी के महत्व को जानते थे और उन्होंने भारत में पुरातत्व में फोटो-दस्तावेजीकरण की प्रवृत्ति को गति दी।

Entrance of Purana Kila, Delhi

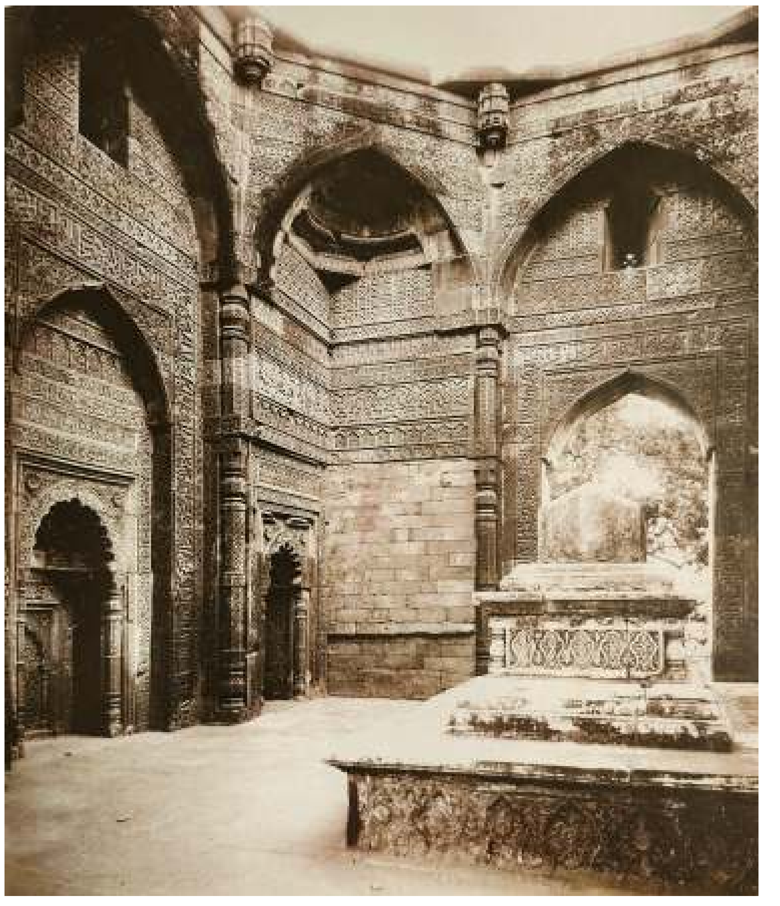

Interior of Tomb of Iltutmish, Meharauli, Delhi

एएसआई के प्रत्येक सर्वेक्षक के पास खुदाई करने और उसका दस्तावेजीकरण करने का अपना तरीका था। मार्शल ने अपने सहकर्मियों को कैमरों के प्रकार और पुरातात्विक उत्खनन और कलाकृतियों के फोटो-दस्तावेजीकरण के लिए कैमरे का उपयोग करने के तरीके के बारे में बहुत सारी जानकारी दी। मार्शल के कार्यकाल में एएसआई को पहली बार व्यावसायिक बनाया गया; उन्होंने फोटोग्राफिक अभिलेखागार भी स्थापित किए। उन्होंने सुनिश्चित किया कि प्रत्येक स्मारक और अवशेष को छूने से पहले उसकी तस्वीर ली जाए। फिर इन छाया छवियों को टैग किया गया, वर्गीकृत किया गया और संग्रहीत करने का महत्वपूर्ण कार्य किया गया।

दिलचस्प बात यह है कि इन सर्वेक्षणों में फोटोग्राफी ने प्रमुख भूमिका निभाई और इनमें से अधिकांश तस्वीरें अभी भी लंदन स्थित ब्रिटिश लाइब्रेरी में मौजूद हैं।

मार्शल ने कई किताबें लिखी हैं, कुछ महत्वपूर्ण किताबें हैं: ए गाइड टू तक्षशिला, द बुद्धिस्ट आर्ट ऑफ़ गांधार, मोहनजोदड़ो और सिंधु सभ्यता, गांधार की बौद्ध कला, तक्षशिला से प्राप्त मनके, तक्षशिला में उत्खनन आदि।

मार्शल 1934 में अपने पद से सेवानिवृत्त हुए और फिर भारत से वापस इंग्लैण्ड चले गए। सर जॉन ह्यूबर्ट मार्शल की मृत्यु उनके अपने निवास स्थान जो लंदन से लगभग 28 मील दक्षिण-पश्चिम में गिल्डफोर्ड, सरे में है, 17 अगस्त 1958 को हुई।

Surya Temple, Martand, Kashmir

Dal Lake, Srinagar

Surya Temple, Martand, Kashmir

View of Jama Masjid, Delhi

अनिल रिसाल सिंह

MFIAP (France), ARPS (Great Britain), Hon.FIP (India), Hon.LCC (India), FFIP (India), AIIPC (India), Hon.FSoF (India), Hon.FPAC (India), Hon.TPAS (India), Hon.FSAP (India), Hon.FICS (USA), Hon.PSGSPC (Cyprus), Hon.FPSNJ (America), Hon. Master-TPAS (India), Hon. Master-SAP (India), Hon.FWPAI (India), Hon.FGGC (India), Hon.GA-PSGSPC (Cyprus)

पूर्व अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ इण्डियन फोटोग्राफी

स्टूडियो न्यूज

स्टूडियो न्यूज के 7 वर्ष : एक गौरवान्वित यात्रा

www.studionews.co.in

Follow Us : studionewsindia studionews_india channel

फोटोग्राफर साथियो, आप अपने जिले में होने वाली फोटोग्राफी वर्कशॉप, संगोष्ठी या फोटोग्राफी से सम्बन्धित अन्य किसी कार्यक्रम का विवरण एवं फोटो "स्टूडियो न्यूज" में छपवाने के लिये, **mailtostudionews@gmail.com** पर मेल करें।

बेसिक्स ऑफ फोटोग्राफी - आईएसओ (ISO)

अभिनीत मोहन सेठ
चाइल्ड फोटोग्राफर

दोस्तों आज के टॉपिक को शुरू करने से पहले एक क्विक रिकैप लेते हैं। जैसा कि हम सब जानते हैं कि एक "पर्फेक्टली एक्सपोज्ड" इमेज ही परफेक्ट इमेज मानी जाती है। अच्छा एक्सपोज़र अचीव करने के लिए आपको कैमरे में तीन सबसे इम्पोर्टेन्ट सेटिंग्स का यूज़ करना पड़ता है - पहला "अपर्चर", दूसरा "शटर", तीसरा "आईएसओ"।

तो अभी तक हमने अपने पिछले सभी टॉपिक्स में अपर्चर और शटर स्पीड के बारे में खुल के डिस्कशन किया था। हमने अपर्चर और शटर के लाइट के साथ रिलेशन पर चर्चा की थी कैसे आप इन दोनों से, लाइट को कण्ट्रोल कर सकते हैं। अपर्चर के साइज़ के कम ज्यादा होने से लाइट कम ज्यादा होती हैं वैसे ही शटरस्पीड के कम ज्यादा होने से लाइट कम-ज्यादा कैप्चर होती है। अपर्चर का साइज़ जितना बड़ा होगा उतनी ही लाइट ज्यादा अमाउंट में एंटर करेगी और अपर्चर का साइज़ जितना कम होगा उतने ही अमाउंट में लाइट कम एंटर करेगी। वैसे ही शटर स्पीड के केस में भी जितना शटर स्पीड ज्यादा होगी उतना लाइट कैमरे में कम कैप्चर होगी और जितना शटर स्पीड कम होगी उतना लाइट कैमरे में ज्यादा कैप्चर होगी। अब शटर - अपर्चर के आलावा जो तीसरी सबसे इम्पॉर्टेन्ट सेटिंग होती है वो हैं "आईएसओ"।

आईएसओ का फुल फॉर्म होता हैं "इंटरनेशनल ऑर्गेनाइज़ेशन फॉर स्टैंडर्डाइजेशन"। जिस तरह से शटर स्पीड और अपर्चर, लाइट को कण्ट्रोल करते हैं उसी तरह से ही आईएसओ भी लाइट को कण्ट्रोल करने में मदद करता है। आईएसओ बेसिकली कैमरे की सेंसिटिविटी को रिकॉर्ड करके लाइट को कंट्रोल करने का काम करता है। आपका कैमरा लाइट को लेकर के कितना सेंसिटिव हैं यह आईएसओ के सेटिंग्स से ही डिसाइड होता है। जिस तरह से अपर्चर का साइज़ बढ़ने से कैमरे में जाने वाली लाइट बढ़ती है उसी तरह से जब आईएसओ की वैल्यू को बढ़ाते हैं तो कैमरा के लाइट को कैप्चर करने की सेंसिटिविटी बढ़ जाती हैं जिसके चलते कैमरे में लाइट ज्यादा कैप्चर होती है और आपकी फोटोग्राफ काफी ब्राइट निकल के आती है।

किसी भी फोटोग्राफ को क्लिक करते समय जब आप शटर स्पीड और अपर्चर के साइज़ को अपने जरूरत के हिसाब से कम ज्यादा करके अपना सब्जेक्ट कैप्चर करते हैं तो उसमें इन दोनों सेटिंग्स के एडजस्टमेंट के बाद जो एक्सपोज़र को कण्ट्रोल करने का चांस बचता है उसे आईएसओ से ही मैनेज किया जाता है। इसीलिए आईएसओ की सेटिंग्स को सबसे लास्ट नंबर पर रक्खा जाता है। अगर आप डेलाइट में कुछ भी शूट कर रहे है तो यह मान कर चलिए कि ऐसी सिचुएशन में आईएसओ का रोल एकदम ना के बराबर हो जाता है। ऐसा इसलिए है क्यूंकि डेलाइट में आपके सब्जेक्ट को आलरेडी सफिशिएंट लाइट मिल रही होती है जिसके चलते आईएसओ के सेटिंग्स को आप सबसे कम वैल्यू पर रखते हैं और इमेज क्रिएट करते हैं। आईएसओ की वैल्यू बढ़ने से कैमरे में लाइट बढ़ जाती है।

आईएसओ की वैल्यूएस ISO 100, ISO 200, ISO 300, ISO 400 इस तरह से बढ़ती है। आईएसओ का एक ड्राबैक भी होता है - कि जैसे-जैसे आप इसकी वैल्यू बढ़ाते जाएंगे वैसे-वैसे आपकी इमेज में "नॉइज़" बढ़ती जाएगी। यहाँ पर नॉइज़ का मतलब डिजिटल नॉइज़ से है। नॉइज़ एक तरह का विजुअल डिस्टॉर्टशन होता है जिसमें आपको इमेज में फटे-फटे से डिस्कलरड पिक्सेल दिखाई देते हैं। हाई आईएसओ सेटिंग्स में हाई अमाउंट ऑफ़ नॉइज़ देखने को मिलती है।

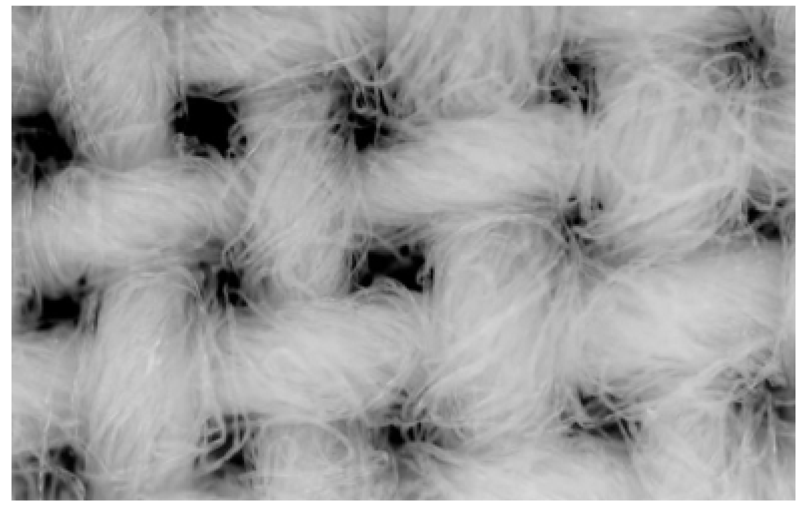

Microscopic View of a Thread

इसको आसान भाषा में समझे तो फोटोज फटी-फटी सी दिखाई देती है। नॉइज़ के चलते फोटोग्राफ की क्लैरिटी और विजुअलिटी दोनों ही ख़राब हो जाती है। अब लो लाइटिनिंग सिचुएशन में शटर + अपर्चर की सेटिंग्स के बाद जब अब लास्ट में आईएसओ को सेट करेंगे तो आपकी इमेज में लाइट तो बढ़ जाएगी पर उसमे नॉइज़ बहुत देखने को मिलेगी। एक तरह के उदाहरण से समझे कि मसलन आप धागे के एक टुकड़े को अगर माइक्रोस्कोप में देखे तो आपको एक-एक रेशा अलग-अलग दिखेगा। इसका मतलब यह हुआ कि जब अपने धागे को मैग्निफाई किया तो वो माइक्रोस्कोप के अंदर फटा-फटा सा दिखाई देगा। इसी सिचुएशन को नॉइज़ कहते हैं। तो दोस्तों इस अंक में इतना ही उम्मीद है आप लोगो को इस बार का आर्टिकल भी पसंद आया होगा अपना बहुत ख्याल रक्खें।

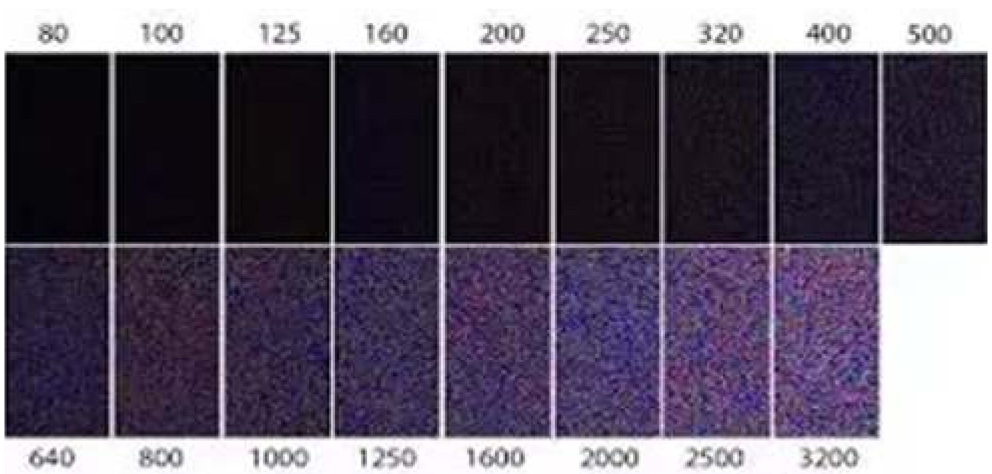

Noise on the basis of ISO values

NOISE IN PHOTOGRAPHY

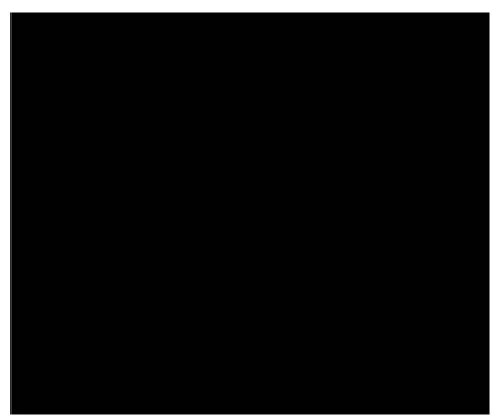

Low Noise

High Noise

जीत जायेंगे हम

आनन्द कृष्ण लाल

सच में जीत जायेंगे यदि हम यदि हम अब एक जैसा सोचें और ऐसा सहयोग करें जो सबके लिए सुरक्षित हो और किसी को नुकसान न पहुंचे। इस महामारी के समय में लापरवाही एकदम ठीक नहीं। जो कुछ भी आधिकारिक तौर पर बताया जा रहा वो हम सब समझते हैं और भली-भांति पालन भी कर रहे हैं। बहुत से विचार, सूचनाएं और सलाह हम सबको सोशल मीडिया के माध्यम से मिल रही हैं परन्तु उन पर आँख बंद करके विश्वास करने की आवश्यकता नहीं है। क्यूंकि तमाम तरह की सूचनाएं और जानकारी मिलने से हम सही और गलत में फर्क नहीं कर पाते और नतीजा होता है कि हम मानसिक तौर पर कंफ्यूज हो जाते हैं और कहीं न कहीं तनाव का शिकार हो जाते हैं। इस तनाव के कारण तमाम तरह की बीमारियां पाल लेते हैं। ये मान कर चलिए की सबको संयम से काम लेना है, थोड़ा समय ज़रूर लगेगा लेकिन सब ठीक हो जायेगा। पर हाँ इस दिमाग का क्या किया जाए जो अक्सर कुछ-कुछ नया सुन कर या जान कर नेगेटिव विचार ले आता है। सबसे आवश्यक है इस महामारी के समय में सुरक्षित रहना और अपने घर परिवार को सुरक्षित रखना। और ऐसा हम तभी कर सकते हैं जब दिमाग संतुलित होगा। यह सच बात है कि सभी के काम-धंधे पर असर पड़ा है। कितना सारा काम अब नहीं हो पा रहा है और पहले से निर्धारित बहुत सा काम अनिश्चित काल के लिए टल गया है। कमाई का जरिया बंद है पैसे की आवा-जाही बंद है। अब समय ऐसा नहीं है कि इस बात का हिसाब किया जाए कि कितना नुकसान हो गया है और कितना होने वाला है। बल्कि इस महामारी के चलते ये निश्चित करना है

कि हम हर हाल में ज़िंदा रहें। इस साल या इस समय में यही बहुत बड़ी कमाई है कि हम स्वस्थ और जीवित हैं। हमारे परिवार के सभी सदस्य सुरक्षित और अच्छे से हैं। जैसा कि पिछले लेख में मैंने बताया था कि इस समय को कैसे बिताया जाए। उसी को समझ कर अच्छे से पालन किया जाए तो चिंता दूर रहेगी।

सबसे ज़रूरी है शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहना। ये काम थोड़ा सा कठिन ज़रूर है परन्तु असंभव नहीं है। क्यूंकि लॉकडाउन के कारण लगभग सभी की दिनचर्या बदल सी गयी है। कोई कब सो रहा है, कब उठ रहा है, क्या और कब खा रहा है इन अब बातों में पहले से तय दिनचर्या की तरह सब कुछ नहीं हो पा रहा है। इसी अनिश्चितता के दौर में हमें अपने ऊपर संयम रखना बहुत ज़रूरी है।

फिटनेस / योग एवं स्वस्थ सादा और पौष्टिक भोजन ग्रहण करना आवश्यक है। आपकी नज़र में यदि आज का समय अच्छा नहीं और पहले का अच्छा था तो जान लीजिये कि जब अच्छा समय नहीं रहा तो बुरा समय भी चला जायेगा। हम सबको बस धैर्य रखना है। बस ये समझिये कि इस बुरे समय ने हमें बहुत कुछ सिखा दिया। ये सिखा दिया कि जीवन जीने के लिए वैसा ही आवश्यक नहीं है जैसा कि हम समझते थे बल्कि सादे तरीके से और बिना हाय तौबा किये एक अच्छा जीवन बिताया जा सकता है। ये भी सिखाया कि जीवन कि प्राथमिकता स्वस्थ और सुरक्षित रहना है न कि ज़माने कि चमक-दमक से प्रभावित हो कर अनिश्चित दिशा में दौड़ लगाना है। विश्व में एक से एक पैसे और प्रतिष्ठा वाले लोग इस महामारी के चलते मजबूर हो गए और जीवन भर कमाई गयी सारी शान-औ-शौकत भी ज़िंदा रहने के लिए काम नहीं आ रही है। अपने और अपने परिवार का ध्यान रखिये, हर बात में धैर्य रखें, मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहें। दूसरों से दूरियां बनाये रखें और कोशिश करें कि अपनी इम्युनिटी को बढ़ाएं। आपका जीवन आपके परिवार के लिए बहुत कीमती है, इसे सुरक्षित रखें।

STUDIO NEWS
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 6 जून 2024 से 5 जुलाई 2024

‘ कैमरा एक उपकरण है जो लोगों को सिखाता है कि कैमरे के बिना कैसे देखा जाए - डोरोथे लांगे

कम्पोजीशन का जादू

फोटोग्राफी के लिए कोई निर्धारित नियम नहीं हैं, लेकिन कुछ दिशानिर्देशों का पालन कर आप अपने छायाचित्र का प्रभाव बढ़ा सकते हैं।

सुनने में थोड़ा घिसापिटा लगेगा, लेकिन एक बात को कंठस्थ कर लेना ठीक होगा कि फोटोग्राफी का कोई नियम नहीं होता, क्योंकि फोटोग्राफी एक कला है साइंस नहीं। हालांकि कुछ ऐसे दिशानिर्देश हैं, जिन्हें तस्वीर खींचने की करीब-करीब हर स्थिति में प्रयोग किया जा सकता है। इससे आपकी फोटो की गुणवत्ता बेहतर होगी।

एक बार यदि आपने इन टिप्स को फॉलो कर लिया तो आप जानकर आश्चर्यचकित रह जाएंगे कि इनमें से ज्यादातर कितने सार्वभौमिक हैं। आपको धीमे-धीमे यह पता चलेगा कि कैसे कुछ तस्वीरें बोल उठती हैं। वहीं कुछ केवल साधारण बन कर रह जाती है।

प्वाइंट ऑफ व्यू

तस्वीर लेने से पहले थोड़ा समय लीजिए और ये सोचिए कि इसे कहां से खीचेंगे। तस्वीर की रचनात्मकता हमारे नजरिए पर निर्भर करती है।

यदि थोड़ा सोच समझकर शॉट लेंगे तो फोटो का संदेश भी समझ में आएगा। ये भी ध्यान रखिए कि आंखों के स्तर से खींचने के बजाए थोड़ा ऊपर की जगह या फिर ग्राउंड लेवल से क्लिक करें। आप साइड, बैक या कुछ दूरी पर या अत्याधिक करीब से भी फोटो लेने का प्रयोग कर सकते हैं।

रूल ऑफ थर्ड

कल्पना कीजिए कि आपकी फोटो दो सीधी और दो लंबी रेखाओं से नौ बराबर भागों में बांट दी गई है। रूल ऑफ थर्ड का नियम कहता है कि आपको तस्वीर के सबसे महत्वपूर्ण तत्वों को उस स्थान पर या उनके बीच में रखना चाहिए जहां रेखाएं आपस में आकर मिलती हैं। ऐसा करने से फोटो संतुलित और आकर्षक दिखती हैं। कुछ कैमरे में तो स्वतः ही रूल ऑफ थर्ड के लिए ऑप्शन भी दिया होता है।

एलीमेंट का संतुलन

अब बात करते हैं कि यदि फोटो का मुख्य एलीमेंट बीचोंबीच में न रखा गया तो क्या होगा? रूल ऑफ थर्ड के नियमानुसार फोटो दिलचस्प बनेगी। लेकिन जरा संभल के। सारा विजुअल एक ही ओर होने से दूसरी ओर सूनापन भी दिख सकता है। संतुलन बनाए रखने के लिए रिक्त स्थान को भरना जरूरी है, पर थोड़ा दिमाग और रचनात्मकता से।

देखिए कि कैसे इस तस्वीर में रूल ऑफ थर्ड के नियम का प्रयोग किया गया है।

जानिए प्रोफेशनल फोटोग्राफर कैसे बनाते हैं अपनी फोटो को प्रभावशाली

इस तस्वीर को देखिए, ब्लैक बैकग्राउंड से सब्जेक्ट यानि की इस महिला की फोटो उभर कर आई है

नजरिया बनाता है फोटो को खास

सिमेट्री और पैटर्न

हम सब किसी न किसी रूप में सिमेट्री और पैटर्न में घिरे हुए हैं। सिमेट्री और पैटर्न तस्वीर को मोहक बनाते हैं। सिमेट्री और पैटर्न को किसी तरह से तोड़कर सीन में केंद्र बिंदु लेकर आने से कुछ बेहतर होगा।

डेप्थ

जो सीन आपकी आंखें देख रही हैं, आप चाहेंगे कि डिट्टो वही आप कैमरे में कैद कर लें। इसके लिए जरूरी है कि फोटो किस प्रकार से खींचना है इस प्रक्रिया को बड़े ध्यानपूर्वक चुनना।

आपकी खींची हुई तस्वीर एक मास्टरपीस बन सकती है यदि आप अग्रभूमि, मध्य व पृष्ठभूमि में ऑब्जेक्टस रख सकें। इसके लिए अपर्चर 8 या उससे ज्यादा रखें।

एक बार जानबूझकर आंशिक रूप से एक के साथ दो, दो के साथ तीन ऑब्जेक्ट रखकर फोटो खींचिए। तस्वीर देखने वालों को लेयर्स दिखाई देंगी और आपकी फोटो "अद्भुत" का खिताब पाएगी।

सही बैकग्राउंड चुनें

कई बार हम सोचते हैं कि ये सीन एकदम बढ़िया है, लेकिन जो फोटो खिंचती हैं उसमें कुछ कमी रह जाती है। जरा ध्यान दीजिए कि ये कमी बैकग्राउंड में तो नहीं। अब कैमरे से तो उम्मीद नहीं की जा सकती कि वो सही बैकग्राउंड पहचाने। ये काम हमें खुद करना होगा। गलत बैकग्राउंड चुना तो वह फोटो जो कमाल कर सकती थी, बेकार हो जाएगी। हालांकि यह कोई विकट समस्या नहीं है, फोटो लेते समय इसका उपाय संभव है। अपने चारों ओर देखिए, जहां साधारण बैकग्राउंड हो कोशिश कीजिए कि अपने सब्जेक्ट को केंद्र में रखकर फोटो वहीं खींचे।

लीडिंग लाइन से मिली फोटो को डेप्थ

क्रॉपिंग

कई बार फोटो अपना चार्म सिर्फ इस वजह से खो देती है क्योंकि मुख्य तत्व बहुत छोटा प्रतीत होता है और आसपास की चीजें उसे दबा देती हैं। यदि तस्वीर लेने के बाद उसे ठीक से क्रॉप कर दिया जाए तो देखने वाला आसानी से ऑब्जेक्ट पर फोकस कर सकता है।

लीडिंग लाइन

किसी फोटो को देखते समय हम ये सोचते हैं कि इसके कम्पोजीशन में कैसे लीडिंग लाइन काम करेगी। लाइन के कई प्रकार हैं, सीधी रेखा, डायगनल, कर्व, जिगजैग, रेडियल आदि, प्रत्येक रेखा फोटो के कम्पोजीशन को बेहतर बनाने में है। साथ ही फोटो में गहराई भी आती है।

प्रयोग

जैसे कि आप जानते हैं कि यह डिजिटल युग है। अब तो रील का भी कोई झंझट नहीं। तो टेंशन किस बात की...एक ही सीन के साथ कई बार प्रयोग कीजिए। अनलिमिटेड एंगल से फोटो लीजिए, क्या पता उनमें से कोई एक मास्टरपीस निकल आए। बाकी डिलीट करते चलिए।

फोटोग्राफी का कंपोजीशन विज्ञान से भिन्न है। विज्ञान में नियमों का पालन होना ही है। छायाचित्र में ऐसा नहीं है। ऊपर बताए सभी दिशानिर्देशों के बाद भी अगर फोटो अच्छी नहीं आती, तो सबको किनारे रखिए और अपने हिसाब से जैसा मन करे वैसी फोटो खींचिए। बस फोटो अच्छी आनी चाहिए।

फ्रेमिंग है फोटो की जान

दुनिया में ऐसे ऑब्जेक्ट्स की कमी नहीं है जिनसे प्राकृतिक फ्रेम का एहसास हो। तो जरा कैमरे को सेट कीजिए, इन फ्रेम के बीच में अपने ऑब्जेक्ट को रखिए या कैमरे का एंगल ऐसा हो कि खुद ब खुद नैचुरल फ्रेम भी बन रहा हो और मुख्य तत्व बीच में आए, और देखिए, क्या खूबसूरत क्लिक होगा। आप दंग रह जाएंगे।

यहां पहाड़ प्राकृतिक फ्रेम के बीच में दिख रहा है। बीच में पड़ी लकड़ी केंद्रबिंदु है।

क्रॉपिंग से उभर आया है सब्जेक्ट

यात्रा वृतांत व छाया चित्रण

मेरी सिक्किम यात्रा का अनुभव

मिथिलेश उपाध्याय
वरिष्ठ फोटोग्राफर, वाराणसी, उत्तर प्रदेश

चमकदार हिमनदी झीलें, अंतहीन चरागाह, हर मोड़ पर झरने, शांत मठ, शहर, और हमारी यात्रा के दौरान हमारे द्वारा देखी गई कुछ सबसे खराब सड़कों पर सुंदर ड्राइव ने सिक्किम की हमारी यात्रा को यादगार बना दिया, जिसे हम कभी नहीं भूलेंगे। भारत के उत्तर पूर्वी भाग में स्थित सिक्किम राज्य बिल्कुल पर्यटक रडार पर नहीं है।

उत्तरी सिक्किम : उत्तरी सिक्किम अपने बर्फ से ढके पहाड़ों, गिरते झरनों और शांत झीलों के साथ मंत्रमुग्ध कर देने वाली सुंदरता की भूमि है। यह भारतीय राज्य सिक्किम में स्थित एक क्षेत्र है, जो हिमालय में बसा है, और अपने आश्चर्यजनक परिदृश्य, विविध वनस्पतियों और जीवों और अनूठी संस्कृति के लिए जाना जाता है।

लाचुंग : लाचुंग 9,600 फुट की ऊंचाई पर लाचेन व लाचुंग नदियों के संगम पर स्थित है। ये नदियां ही आगे जाकर तीस्ता नदी में मिल जाती हैं। यह आकर्षक छोटा सा गांव, अपने शानदार फलों के बागों, जगमगाती नदियों और बर्फ से ढके हिमालय की मनमोहक पृष्ठभूमि के सामने बहने वाली नीली नदियों के साथ, नीले आसमान से घिरा हुआ है, इसे उत्तर पूर्व भारत के सबसे खूबसूरत गांवों में से एक माना जाता है, जो दूर-दूर से हजारों छुट्टियों के चाहने वालों और प्रकृति प्रेमियों को आकर्षित करता है।

प्रकृति प्रेमी हो, फोटोग्राफी का शौकीन हो या रोमांच का शौकीन हो, उसे इस खूबसूरत छोटे से गाँव से प्यार हो ही जाएगा, और वह अपने साथ हमेशा के लिए संजोने के लिए ढेर सारी शानदार यादें लेकर जाएगा।

युमथांग घाटी : युमथांग घाटी को सिक्किम की फूलों की घाटी के रूप में जाना जाता है। यह सिक्किम में घूमने के लिए सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। 11,800 फीट (3,600 मीटर) की ऊंचाई पर प्रकृति ने घाटी को लहरदार घास के मैदान, पहाड़ी धाराएं, गर्म झरने और फूलों की कई किस्मों का उपहार दिया है।

जीरो प्वाइंट : युमेसमडोंग, जिसे ज़ीरो पॉइंट के नाम से भी जाना जाता है, लाचुंग में सबसे अधिक बार आने वाले पर्यटक स्थलों में से एक है। यह युमथांग से लगभग 15 किमी दूर स्थित है और 4,724 मीटर की आश्चर्यजनक ऊंचाई पर स्थित है। शून्य बिंदु सभ्यता के किनारे को चिह्नित करता है, और सड़क यहीं समाप्त हो जाती है।

जीरो पॉइंट एक शानदार जगह है जो प्रकृति की खूबसूरती को किसी और जगह से अलग दिखाती है। अपने ऊंचे पहाड़ों, हरी-भरी घाटियों और साफ नीले आसमान के साथ, यह किसी सपनों की दुनिया में कदम रखने जैसा लगता है। सिक्किम का यह आकर्षण आपको अपनी बर्फ के साथ स्विट्जरलैंड का अहसास कराता है। अपने असाधारण दर्शनीय स्थलों की यात्रा के अवसरों के कारण, ज़ीरो पॉइंट फ़ोटोग्राफ़ी सत्रों के लिए भी एक आदर्श स्थान है। चाहे वह भोर की कोमल रोशनी हो या दोपहर में बर्फ पर पड़ती गर्म धूप, ज़ीरो पॉइंट पर हर पल कुछ जादुई कैप्चर करने का मौका है। हिमालय के रंग, दृश्य और अछूती सुंदरता इसे फ़ोटोग्राफ़रों के लिए स्वर्ग बनाती है।

पूर्वी सिक्किम : पूर्वी सिक्किम राज्य का सबसे आकर्षक क्षेत्र है। राज्य की राजधानी गंगटोक भी इसी के अन्तर्गत आती है। यहां स्थित अनेक मठ, व्यू प्वाइंट्स, गार्डन, चिड़ियाघर और सरकारी इमारतें इस स्थान की रमणीयता में और वृद्धि कर देती हैं।

चांगू लेक : झील और नदियां किसी भी जगह को खूबसूरत बना देती हैं। अगर लेक पहाड़ों के बीच हो तो वो जगह और भी सुंदर हो जाती है। गंगटोक से 40 किमी. की दूरी पर स्थित त्सोंगमो झील को चांगू लेक के नाम से जाना जाता है। नाथुला दर्रा के रास्ते में पड़ने वाली ये झील समुद्र तल से 12,303 फीट की ऊँचाई पर स्थित है। ग्लेशियर से बनी इस झील पर भारतीय डाक सेवा ने 2006 में डाक टिकट जारी किया था।

त्सोंगमो झील : सिक्किम की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। जब आप इस झील को देखेंगे तो इसकी सुंदर आपको दीवाना बना देगी। गर्मियों में जाते हैं तो झील के चारों तरफ फैले फूल इस जगह को और भी खास बना देते हैं। चारों तरफ बर्फ से ढंके पहाड़ और धुंध से ढंका माहौल इस जगह को और भी खास बना देता है। आपको त्सोंगमो लेक के पास सजे हुए याक भी देखने को मिलेंगे। जिसे यहाँ की लोकल भाषा में सुरागाय भी कहते हैं। आपके इसकी सवारी का आनंद भी ले सकते हैं। झील के किनारे पर एक शिव मंदिर भी है जिसे आप देख सकते हैं। ये झील सिक्किम के स्थानीय लोगों के लिए पवित्र जगहों में से एक है। कहा जाता है कि इस झील में औषधि गुण हैं जिससे कई बीमारी ठीक हो जाती हैं।

बाबा हरभजन सिंह मंदिर : नाथुला और जेलेप ला पास रोड के मध्य स्थित यह मंदिर समुद्र तल से 4420 मीटर की ऊँचाई पर है।

यह मंदिर 23 पंजाब रेजीमेंट के सैनिक हरभजन सिंह को समर्पित है। वे 1968 में एक नदी पार करने के दौरान डूब गए थे। यहां के स्थानीय लोगों की मान्यता है कि मंदिर में हरभजन सिंह का आत्मा आज भी विद्यमान है।

नाथू ला दर्रा : दुनिया की सबसे ऊंची मोटर योग्य सड़कों में से एक नाथू ला हिमालय की चोटियों में एक पहाड़ी दर्रा है जो सिक्किम और चीन को जोड़ता है। समुद्र तल से 14450 फीट ऊपर भारत-तिब्बत सीमा पर स्थित, नाथू ला देश के सबसे महत्वपूर्ण हिमालयी दर्रों में से एक है। नाथू का मतलब है 'सुनने वाले कान' और ला का मतलब है 'दर्रा'। नाथू ला भारत और चीन के बीच तीन खुली व्यापारिक सीमा चौकियों में से एक है और अपनी सुरम्य सुंदरता और सुंदर वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ का तापमान ज़्यादातर हिस्सों में कम रहता है

सर्दियों के दौरान नाथुला दर्रे पर भारी बर्फबारी होती है। इस क्षेत्र का तापमान -25 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है। अगर आपको वाकई बर्फ पसंद है, तो आप मोटे ऊनी कपड़ों के साथ सर्दियों में नाथुला दर्रे की यात्रा कर सकते हैं। मई से नवंबर के मध्य तक गर्मी का मौसम होता है जब तापमान 5-6 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहता है। यहाँ आने के लिए परमिट की जरूरत पड़ती है। पर्यटन और नागरिक उड्डयन विभाग में आवेदन करके परमिट प्राप्त किया जाता है।

सारांश-

लैंडस्केप फोटोग्राफी, नेचर फोटोग्राफी और बर्फ की फोटोग्राफी करने के लिए यह किसी स्वर्ग से कम नहीं है, आंखों के सामने अनगिनत ऐसे दृश्य आते रहते हैं जिन्हें हम कैमरे में कैद किये बिना रह नही सकते, अगर आपके पास वाइड एंगल लेंस है तो आप शानदार फोटो कैप्चर कर सकते हैं, एक और जरूरी बात, कोशिश करिए कि RAW Format में फोटो शूट करें, जिससे बाद में इन सभी यादगार पलों को और भी खूबसूरत बनाया जा सकें।

STUDIO NEWS
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 6 जून 2024 से 5 जुलाई 2024

अगर आप फोटोग्राफ के जरिये सड़क की महक को महसूस कर सकते हैं तो यह स्ट्रीट फोटोग्राफी है। - ब्रूस गिल्डेन

लैंडस्केप फोटोग्राफी टिप्स

फोटोग्राफी में यदि ज्यादातर लोगों के पहले प्यार की बात करें तो वह लैंडस्केप फोटोग्राफी ही होता है। प्रकृति के करीब जाकर उन मनोरम दृश्यों को जैसा आंखों ने देखा ज्यों का त्यों कैमरे में उतारना किसी चुनौती से कम नहीं। लेकिन ये चुनौती भी रोमांचित करती हैं। एक ही जगह पर देर तक बैठकर रोशनी के बदलते आयामों को निहारने का अपना अलग ही मजा है।

डेप्थ हो

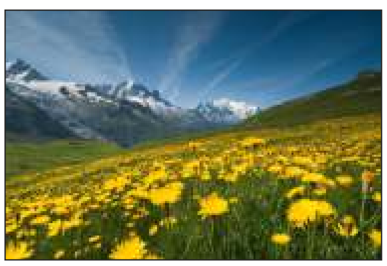

कई बार फोटो खींचते समय हम अपनी रचनाओं से प्रयोग करने की कोशिश करते हैं। हमेशा याद रखिए कि सबसे पहले तो सीन के अधिकांश भाग को फोकस में रखिए। इसका सबसे आसान तरीका है कि कम अपर्चर सेटिंग चुनें, जितना कम आपका अपर्चर होगा उतनी ज्यादा डेप्थ आपके शॉट्स में होगी।

ध्यान रहे कि जितना कम अपर्चर होगा उतनी ही इमेज सेंसर पर कम लाइट पड़ेगी। इसका मतलब इसे बराबर करने के लिए आपको आइएसओ बढ़ाना पड़ेगा या शटर स्पीड कम करनी होगी या फिर दोनों।

ट्राइपॉड यूज कीजिए

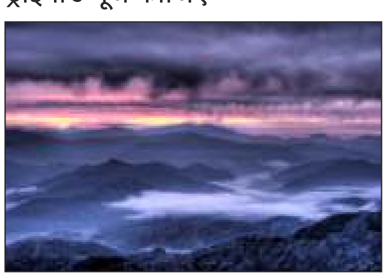

कम अपर्चर के चलते आपको लंबी शटर स्पीड सेलेक्ट करनी होगी। इसके लिए आपको देखना होगा कि कैमरा एक्पोजर के दौरान स्टिल हो।

अगर आप फास्ट शटर स्पीड से शूट कर सकते हैं तो आपके लिए ट्राइपॉड बेस्ट है। कैमरे की स्टिलनेस के लिए केबल या वायरलेस शटर रिलीज मैकेनिज़्म भी इस्तेमाल में ला सकते हैं।

फोकल प्वाइंट तलाशें

हर शॉट लेने के लिए किसी न किसी प्रकार का फोकल प्वाइंट की जरूरत होती है और लैंडस्केप फोटोग्राफी में भी ऐसा ही है। बल्कि लैंडस्केप में फोकल प्वाइंट की इतनी जरूरत होती कि बिना इसके आपके

चित्र कतई आकर्षक नहीं लगेंगे।

लैंडस्केप्स में फोकल प्वाइंट के कई फॉर्म हो सकते हैं।

लैंडस्केप्स में फोकल प्वाइंट कई फॉर्म ले सकता है, फिर चाहे वो कोई इमारत हो, पेड़ हो, पहाड़ हो, चट्टान हो या कुछ भी।

ये मत सोचिए कि फोकल प्वाइंट क्या हो सकता है बल्कि ये सोचिए कि इसे कहां पर प्लेस कर सुंदर चित्र खींचा जा सकता है। यहां पर रूल ऑफ थर्ड कारगर हो सकता है।

थिंक फोरग्राउंड

एक चीज जो आपके शॉट को निहायत ही खूबसूरत बना सकता है तो वह है कि शॉट की अग्रभूमि यानि कि फोरग्राउंड का चयन। फोटो अच्छी् खींचनी है तो अच्छा फोरग्राउंड चुनिए। आप ऐसा करते हैं तो अपने शॉट में एक गहराई प्रदान करेंगे जो देखने वालों को अच्छा लगेगा।

आसमान को ले लीजिए

एक और चीज है जिससे आपकी लैंडस्केप अच्छी आ सकती है और वो है आसमान। अधिकतर आकर्षक लैंडस्केप्स में या तो फोरग्राउंड प्रमुख होगा या फिर उनमें आसमान का शॉट होगा। यदि फोटो के समय आकाश का लुक लुभावना न हो तो अपना शॉट खराब मत होने दीजिए और होराइज़न बढ़ा लीजिए। वहीं अगर आसमान में कलात्मक बादल छाएं हो तो यही सही समय है लैंडस्केप का, होराइजन को कम रखिए और शाइन करने दीजिए।

लीडिंग लाइंस

लैंडस्केप शॉट लेने से पहले खुद से एक सवाल पूछिए कि जो दृश्य मैं देख रहा हूँ उसे देखने का नजरिया दूसरे से भिन्न कैसे करूं। इसका एक सबसे अच्छा तरीका है कि फोटो में लीडिंग लाइन एड करिए।

लीडिंग लाइन फोटो में गहराई लाती है, फोटो में पैटर्न डेवलप होता है और देखने वालों में दिलचस्पी भी क्रिएट होती है।

मूवमेंट कैप्चर करें

लैंडस्केप्स को लेकर लोगों के मन में एक धारणा है। लोगों का सोचना है कि लैंडस्केप्स का अर्थ शांत और सुकून क्षणों का शॉट लेना है। जबकि लैंडस्केप में मूवमेंट का भी बड़ा योगदान है। ऐसे मूवमेंट जो फोटो में ड्रामा, मूड और इंटरेस्ट क्रिएट करें।

जैसे-हवाओं से हिलते पेड़, बीच पर झोंके, वॉटरफॉल, चिड़ियों का उड़ना, चलते बादल आदि। इन पलों को खींचने का मतलब है कि अपको लंबी शटर स्पीड लेनी होगी। यानि कि सेंसर पर अधिक लाइट पड़े और अपर्चर कम हो। फिल्टर यूज कर सकते हैं या फिर सूर्योदय-सूर्यास्त के समय शॉट ले सकते हैं।

होराइजन के बारे में सोचिए

पुरानी मगर जरूरी टिप। लैंडस्केप लेने से पहले दो तरफ से होराइजन पर ध्यान दीजिए।

क्या वो सीधा है- वैसे तो फोटो लेने के बाद आप उसे सीधा कर सकते हैं लेकिन अच्छा- होगा यदि खींचते वक्त ही वह सीधी हो।

कंपोजिशन में वह कहां है- या तो वह फोटो में ऊपर से तीसरी लाइन में हो या फिर निचली तीसरी लाइन में हो। बीच में अटपटा लगेगा। हालांकि नियम नहीं है, आपकी आंखों को जैसा सुहाए।

मौसम के अनुरूप काम करें

कोई भी दृश्य किसी भी वक्त मौसम के अनुसार बदल सकता है। इसका मतलब सही समय शूट करना अनिवार्य है। यानि मौसम के अनुरूप काम करें।

कई फ्रेशर फोटोग्राफर धूप देखकर

सोचते हैं कि यही सही समय है फोटो खींचने का। जबकि बारिश होने से पहले का जो माहौल बनता है वही असली फोटो खींचने का सटीक समय होता है।

आंधी का इंतजार करिए, काले बादलों में छिपे सूरज को देखिए, रेनबो, सूर्यास्त, सूर्योदय जैसे माहौल में गजब फोटो आती हैं।

गोल्डन ऑवर पर काम करिए

हाल ही में मेरी एक फोटोग्राफर से बात हुई जिसने मुझे बताया कि वह कभी दिन में फोटोग्राफी नहीं करता। वह केवल भोर या सांझ को ही कैमरा निकालता है। उन्होंने कहा कि उस समय लाइट बेस्ट होती हैं और फोटो आकर्षक आती हैं। ऐसे समय को गोल्डन ऑवर कहते हैं।

ये गोल्डन ऑवर लैंडस्केप के लिए अच्छे होते हैं। ऐसे समय पर गोल्डन लाइट होती है। उस वक्त की रोशनी का एंगल कोई भी सीन पर बढ़िया प्रभाव डाल सकता है। यानि पैटर्न, डाइमेंशन और टेक्सचर।

अपना दृष्टिकोण बदलें

आप खूबसूरत नजारों के बीच में हैं। अपनी कार से निकलिए, कैमरे को ऑन करिए, आंखों के लेवल पर लाइए, हल्का जूम करिए और तुरंत खींच डालिए। अपना शॉट लेने के बाद ही कार में बैठकर अगले खूबसूरत व्यू तक जाइएगा।

हालांकि हतप्रभ कर देने वाले शॉट के लिए जरूरी है कि अपना शॉट लेते समय थोड़ा ज्यादा समय व्यतीत करें। कुछ रोचक प्वाइंट देखें। किसी दूसरी जगह से वही व्यू खींचें। ये भी कर सकते हैं कि झुककर ऊपर की तरफ फोटो लें। प्रकृति को एक्सप्लोर कर के व्यू के प्रयोग करने में कुछ न कुछ बेजोड़ जरूर हाथ लगेगा।

ऐसे बढ़ाएं अपनी वेडिंग फोटोग्राफी की मांग

वेडिंग फोटोग्राफी करते समय हमें किस-किस चीज का ध्यान रखना चाहिए जिससे सुन्दर और अच्छी तस्वीरें बनें, इसके बारे में बता रहे हैं - **विकास बाबू**

शादी जितना खुशी का मौका है, इसकी फोटोग्राफी उतनी ही मुश्किल और तनावपूर्ण काम है। दूल्हे से लेकर दुल्हन और उनके मेहमान हर कोई जल्दी में और व्यस्त नजर आता है। ऐसे में फ्रेम बनाने से लेकर उन्हें खास अंदाज में पोज कराना कोई आसान काम नहीं है। इन सबके बावजूद वेडिंग फोटोग्राफी की मार्केट में सबसे ज्यादा मांग है। इतना ही नहीं यह एक मनोरंजक और आकर्षक व्यवसाय भी है, जिसमें आप अच्छा खासा पैसा कमा सकते हैं।

वेडिंग फोटोग्राफी

शादी में हर किसी का ध्यान दूल्हे और दुल्हन पर रहता है। दुल्हन के कपड़ों से लेकर जूलरी और मेकअप तक पर कई दिन पहले से चर्चा शुरू हो जाती है। ऐसे में शादी के मौके पर इन पलों को तस्वीरों के जरिए कैद कर इन पलों को यादगार बनाया जा सकता है। मेहंदी से लेकर संगीत, शादी और रिसेप्शन पार्टी की तस्वीरें एक शादी में दुल्हा और दुल्हन के लिए ढेरों यादें लेकर आते हैं। यही वजह है कि शूट के आखिर में जब आप उनको एक खूबसूरत शादी का एल्बम देते हैं तो उनके चेहरे की खुशी किसी इनाम से कम नहीं लगती है। यह अनुभव व्यक्तिगत और आर्थिक रूप से सुकून देने वाला होता है।

भारत में होने वाली शादियाँ

वेडिंग फोटोग्राफी करते समय आपको अलग-अलग धर्मों व परम्परागत शादी के स्थानीय रीतिरिवाजों को शूट करने का मौका प्राप्त होता है। इस पलों को शूट करना बहुत ही रोमांचपूर्ण होता है। मूलतः भारत में हिंदू शादी, पंजाबी, मुस्लिम, बंगाली, मराठी, क्रिश्चियन एवं दक्षिण भारतीय शादियाँ प्रमुख हैं और आजकल थीम बेस व डेस्टिनेशन शादियाँ भी हो रही हैं जिसमें हमें अलग प्रकार का अनुभव प्राप्त होता है। आजकल शादियों में प्रि-वेडिंग, कैंडिड व सिनेमैटिक शूट का चलन बढ़ता जा रहा है।

वेडिंग फोटोग्राफी से पहले रखें इन चीजों का ख्याल

- शादी से पहले अपनी वीडियो और स्टिल टीम का चयन कर लें।
- गेस्ट की पूरी जानकारी रखें।
- शादी के दौरान खुशी और विदाई जैसे पलों के रिएक्शन को कवर करना न भूलें।
- दूल्हा और दुल्हन के दोस्तों के लिए खासतौर पर फोटोशूट करें।
- बच्चों और बड़ों की स्माइल को कवर करना न भूलें।
- फोटोग्राफी टीम को बोलचाल में बहुत ही सहज व अपने पहनावें पर खास ख्याल रखें।

शादी में कोई व्यक्तिगत पसंद और नापसंद नहीं होती क्योंकि हर शादी में दूल्हा, दुल्हन और गेस्ट बदल जाते हैं। ऐसे में शादी के दौरान हर कोई खूबसूरत, स्मार्ट और फोटोजेनिक नजर आना चाहता है। भले ही आपको यह काम बहुत आसान और मजेदार लगे लेकिन कई बार शादी में ऐसे भी लोग मिलते हैं जो तस्वीरें खिंचवाने के दौरान आपके साथ सहयोग नहीं करते हैं। ऐसे में आप अपने विवेक एवं संयम का इस्तेमाल करते हुए आपको अपना काम करते रहना चाहिए। ऐसे बड़े मौका का हिस्सा बनने से पहले परिवार के लोग और उनसे सम्बन्धित सभी पहलुओं की जानकारी कर लेनी चाहिए। इससे शादी में फोटोग्राफी के दौरान काफी हद तक काम आसान हो जाता है, लेकिन याद रखें कि यह टिप्स महज आपको सहूलियत प्रदान करेंगी। वहीं इसमें अपना करियर बनाने के लिए जरूरी है कि आप फोटो खींचने की खुद की शैली (स्टाइल) और संरचना को विकसित करें।

आगामी लेखों में हम इन फोटोग्राफी के बारे में टिप्स देंगे

- वेडिंग फोटोग्राफी की तैयारी
- कैंडिड फोटोग्राफी
- प्रि-वेडिंग शूट
- ब्राइडल फोटोग्राफी
- ग्रूम फोटोग्राफी
- वेडिंग सेरिमनी टिप्स
- वेडिंग फोटोग्राफी ग्रुप फोटो
- ब्राइड और ग्रूम फोटोग्राफी पोर्ट्रेट
- वेडिंग फोटोग्राफी इंटरव्यू एण्ड स्पीच
- कैसे अपनी फोटोज का बैकअप रखें
- पोस्ट प्रोडक्शन
- शादी का फोटो एलबम, फोटो बुक व स्लाइडशो
- वेडिंग फोटोग्राफी डीवीडी स्लाइडशो और सॉफ्टवेयर की जानकारी
- वेडिंग फोटोग्राफी मार्केटिंग व एडवरटाइजमेंट
- वेडिंग फोटोग्राफी पोर्टफोलियो
- वेडिंग फोटोग्राफर का अपीयरेंस और ऐटिट्यूड
- वेडिंग फोटोग्राफी का मूल्य निर्धारण।

क्रमशः ...

STUDIO NEWS
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 6 जून 2024 से 5 जुलाई 2024

फोटोग्राफ में एक चीज जरूर होनी चाहिए और वह है उस लम्हे की मानवता - राबर्ट फ्रैंक

थ्री प्वाइंट लाइटिंग

फोटो बेहद खूबसूरत हो, इसके लिये कौन सी लाइट और किस प्रकार इस्तेमाल करनी चाहिए।

आर. प्रसन्ना

जैसा कि हम सब जानते हैं कि फोटोग्राफी में एक अहम हिस्सा है लाइट। लाइट की समझ ही एक प्रोफेशनल फोटोग्राफर और नए फोटोग्राफर के बीच का फर्क बताती है। परंपरागत फोटोग्राफी दो आयामी माध्यम है और अपने सब्जेक्ट को तीन आयामी बनाने के लिए लाइट का सही प्रयोग जरूरी है। गलत लाइटिंग तस्वीर को साधारण और बिना फीचर के बना देगी।

गहराई व कंट्यॉर लाइटिंग से बनाए जा सकते हैं। थ्री प्वाइंट लाइटिंग पोर्ट्रेट लाइटिंग में काफी मशहूर है।

तीन अलग-अलग स्थान के इस्तेमाल से, फोटोग्राफर डायरेक्ट लाइटिंग से बन रही परछाई इत्यादी को कंट्रोल (या बिलकुल ही हटा सकता है) करने के साथ-साथ मनचाही तरह से सब्जेक्ट को रोशन कर सकता है। थ्री प्वाइंट लाइटिंग में मुख्य यानि की लाइट, फुल लाइट व रिम लाइट शामिल हैं।

जैसा कि नाम है, की लाइट सीधा सब्जेक्ट पर चमकती है और प्रधान प्रकाश देने वाला काम करती है। किसी भी चीज़ से ज्यादा रंग, की लाइट का एंगल शॉट की पूरी लाइटिंग डिजाइज को निर्धारित करते हैं। प्राकृतिक रूप से सूर्य मुख्य रोशनी देने का जरिया है लेकिन अंदर यानि यदि इंडोर सेटअप है तो लैंप व स्टूडियो लाइट मुख्य लाइट का काम करते हैं।

फिल लाइट भी मुख्य यानि की लाइट जितनी ही महत्वपूर्ण होती है, ऐसा इसलिए क्योंकि यह छायांकित जगहों को रोशन कर संतुलित करती है, साथ ही व्यक्ति की नाक की छाया बाकी चेहरे पर कम करती है।

लाइट को वापस करने के लिए अन्य लाइट या सफेद थरमॉकोल का भी उपयोग किया जा सकता है। लाइटिंग अनुपात मुख्या यानी की और फिल के बीच का संतुलन है। उदाहरण के तौर पर यदि की लाइट एफ8 पर रीड कर रही है और फिल लाइट भी एफ8 है तो यह 1:1 का अनुपात है जो कि फ्लैट लाइट देगा। 1:2 अनुपात थोड़ा कम फिल देती है लेकिन इवेन लाइटिंग और 1:4 भारतीय त्वचा के पोट्रेट के लिए सही चयन है। अतः फिल लाइट की लाइट जितनी ही आवश्यक है और मैं कहूंगा कि तस्वीर का अंतिम लुक ही यह तय करती है।

रिम लाइट को बाल व कंधे की लाइट भी कहा जाता है जो सब्जेक्ट पर पीछे से पड़ती है। यह सब्जेक्ट पर लाइट का रिम देती है, इससे सब्जेक्ट बैकग्राउंड से अलग लगता है और कंट्यॉर हाईलाइट होता है।

पोट्रेट को नाटकीय 3डी लुक देने के लिए रिम लाइट का उपयोग किया जाता है।

की, फिल व रिम लाइटिंग की सही समझ आपके पोट्रेट को दूसरों से अलग बनाएगी।

फोटोग्राफी वर्कशॉप्स एवं अन्य कार्यक्रम

फूजीफिल्म द्वारा आयोजित फोटोग्राफी वर्कशाप, अयोध्या, उ.प्र.

फूजीफिल्म द्वारा आयोजित फोटोग्राफी वर्कशाप, रामगढ़, झारखण्ड

PAUP कौशाम्बी द्वारा कैंडिड एवं सिनेमैटिक फोटोग्राफी वर्कशॉप

RNI No. : UPHIN/2017/74695, **स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक** - सुरेंदर सिंह बिष्ट, शॉप नं. 3, शान्ति मार्केट, लक्ष्मणपुरी गेट, फैजाबाद रोड, इन्दिरा नगर, लखनऊ - 226016 द्वारा ज्ञान प्रिंटर्स, 207, 208 लेखराज मार्केट-2, इन्दिरा नगर, लखनऊ-226016 से प्रकाशित।
सम्पादक - सुरेंदर सिंह बिष्ट, फोन - 9335915600, 0522-4108575, ई-मेलः mailtostudionews@gmail.com, वेबसाइट : www.studionews.co.in